RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 48 ● भिलाई, बुधवार 20 अगस्त 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

पहाड़ों पर भारी बारिश से मैदानी राज्यों में बाढ़, आईएमडी ने जारी किया रेड अलर्ट

नईदिल्ली। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हो रही भारी बारिश से पंजाब, हरियाणा और दिल्ली समेत कई राज्यों में बाढ़ के हालात बन गए हैं। यमुना का जलस्तर बढ़ने से दिल्ली के निचले इलाकों में लोगों को सतर्क किया गया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को ताजा निम्न दबाव क्षेत्र के मद्देनजर छत्तीसगढ़, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, गोवा और कर्नाटक में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। साथ ही मुंबई और दिल्ली में भी बादल बरसेंगे। उत्तराखंड में मूसलाधार बारिश के चलते द्वितीय केदार मद्महेश्वर को जोड़ने वाला पैदल मार्ग बणतोली के समीप 40-मीटर ध्वस्त हो गया। इससे 142 यात्री फंस गए, जिन्हें एसडीआरएफ ने रस्सियों के सहारे निकाला। मौसम विभाग ने प्रदेश के पौड़ी, बागेश्वर, पिथौरागढ़ और नैनीताल में कहीं-कहीं भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

द्वारका में डीपीएस समेत 3 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, परिसर खाली कराया

नईदिल्ली। दिल्ली में एक बार फिर स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इस बार धमकी भरा ईमेल द्वारका के 3 स्कूलों में आया है। पुलिस ने बताया कि दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), श्रीराम वर्ल्ड स्कूल और मॉडर्न स्कूल को धमकी दी गई है। पुलिस सुबह करीब 7 बजे स्कूलों से धमकी की जानकारी मिली थी। दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्कायड की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई और उन्होंने परिसर खाली करा लिया है।पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने सभी स्कूलों की जांच की है, लेकिन अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। कुछ स्कूलों में बच्चों को घर भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि स्कूलों को धमकी ईमेल के जरिए मिली थी, ईमेल भेजने वाले का पता लगाया जा रहा है। एक कॉलेज को भी धमकी मिलने की सूचना है, हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

ट्रेनिंग के दौरान विकलांग होने वाले कैडेटस की हालत पर सुप्रीम कोर्ट ने जतायी चिंता

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने उन कैडेटों की मुश्किलों पर स्वत: संज्ञान लिया है जिन्हें प्रशिक्षण के दौरान चोट या विकलांगता की वजह से बीच में ही चिकित्सा आधार पर छुट्टी दे दी गई थी. सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और रक्षा बलों से जवाब मांगते हुए कहा है कि ऐसे कैडेटों को आर्थिक सुरक्षा देने के लिए बीमा कवर की व्यवस्था पर विचार किया जाए. न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने मामले में सुनवाई की. न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई 4 सितंबर के लिए निर्धारित की है. पीठ ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर। जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा कि वे प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विकलांग होने वाले कैडेटों को चिकित्सा व्यय के लिए दी।

आज होगा विष्णुदेव साय कैबिनेट का विस्तार!

गजेंद्र-राजेश-खुशवंत साहेब ले सकते हैं मंत्री पद की शपथ...

रायपुर/ संवाददाता

इंतजार की घड़ियां खत्म होने वाली हैं। जल्द ही छत्तीसगढ़ मंत्रिमंडल का विस्तार होने वाला है। संभवत: कल यानी बुधवार को साय कैबिनेट का विस्तार हो सकता है। सीएम विष्णुदेव साय ने इस संबंध में पहले ही संकेत दिये थे। वहीं बीजेपी हाईकमान से भी हरी झंडी मिल चुकी है। ऐसे में प्रदेश में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। शपथ ग्रहण समारोह के लिए छत्तीसगढ़ मंडपम में तैयारियां शुरू हो गई हैं। सियासी गलियारे में इस बात की चर्चा है कि 21 अगस्त से पहले मंत्रिमंडल का विस्तार हो सकता है। तीन नये मंत्री बनाये जा सकते हैं। साय मंत्रिमंडल का विस्तार करीब-करीब तय हो गया है। दुर्ग संभाग से दुर्ग विधायक विधायक गजेंद्र यादव, सरगुजा संभाग से अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल और रायपुर संभाग से आरंग विधायक और सतनामी समाज के गुरु खुशवंत साहेब नए मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। हाल ही में सीएम साय ने मीडिया से चर्चा में कहा था कि इंतजार करिए, जल्द ही विस्तार होगा। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी कहा कि मंत्रिमंडल का विस्तार उनके विदेश दौरे से पहले भी हो भी सकता है। सीएम साय 22 अगस्त से पहले विदेश दौरे पर जा रहे हैं। बता दें कि सीएम साय ने हाल ही में दिल्ली से आने के बाद संकेत दिया था कि इंतजार खत्म होने वाला है। दुर्ग संभाग से विधायक गजेंद्र यादव सरगुजा संभाग से अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल रायपुर संभाग से आरंग विधायक गुरु

खुशवंत साहेब मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। बड़ी बात ये है कि ये तीनों विधायक कभी भी मंत्री नहीं रहे हैं। पहली बार मंत्री बन सकते हैं। यदि उपरोक्त नामों में कुछ फेरबदल हुआ तो अमर अग्रवाल बिलासपुर संभाग से, राजेश मूणत रायपुर संभाग से, अजय चंद्राकर रायपुर संभाग से, किरण सिंहदेव बस्तर संभाग से नये मंत्री हो बन सकते हैं। हरियाणा की विधानसभा में भी 90 विधायक हैं। हरियाणा में बीजेपी सरकार में मुख्यमंत्री समेत 14 मंत्री हैं। लिहाजा, हरियाणा के फॉर्मूले को छत्तीसगढ़ में भी लागू करते हुए 3 और मंत्री बनाए जा सकते हैं। हालांकि, छत्तीसगढ़ में राज्य बनने के बाद से 13 मंत्री ही बनते आए हैं, जबकि नियम के तहत विधयकों की संख्या के 15 प्रतिशत ही मंत्री बन सकते है। इस नियम के तहत 90 विधायकों में 13.15 मंत्री बन सकते हैं। इसलिए मुख्यमंत्री समेत 14 मंत्री भी हो सकते हैं। साय कैबिनेट में अभी मुख्यमंत्री समेत 11 मंत्री हैं। सबसे ज्यादा सरगुजा संभाग से मंत्री हैं। रायपुर दुर्ग और बस्तर संभाग से मात्र एक-एक मंत्री हैं। इसलिए रायपुर से राजेश मूणत और अजय चंद्राकर का नाम चर्चा में है। वहीं, बस्तर से केदार कश्यप अकेले मंत्री हैं, ऐसे में बस्तर से प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव का नाम भी सामने आ रहा है। बिलासपुर से रमन सरकार में मंत्री रहे अमर अग्रवाल का नाम चर्चा में है। इसके अलावा यादव समाज को प्रतिनिधित्व देने दुर्ग से गजेंद्र यादव, रायपुर से बीजेपी विधायक खूशवंत साहेब के नाम की चर्चा भी तेज है।

साय कैबिनेट की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय-छत्तीसगढ़ में सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के लिए 90 एकड़ भूमि को रियायती दर पर आबंटित करने का निर्णय

रायपुर. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए 1) मंत्रिपरिषद द्वारा निर्णय लिया है कि राज्य के अनुसूचित क्षेत्र एवं माडा पॉकेट क्षेत्र में रहने वाले अंत्योदय और प्राथमिकता श्रेणी के परिवारों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत हर माह वितरित किए जाने वाले 2 किलो चना की आवश्यक मात्रा नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा हृद्दरूई-ऑक्शन प्लेटफार्म के माध्यम से खरीदी जाएगी. यह खरीदी वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृत 0.25 प्रतिशत या इससे कम ट्रांजैक्शन/सर्विस चार्ज पर की जाएगी. इसके साथ ही मंत्रिपरिषद ने कहा है कि जुलाई 2025 से नवंबर 2025 तक जिन हितग्राहियों ने चना नहीं लिया है।

रायगढ़ जिले में भूमि घोटाले की जांच मांग

राउत ने एकनाथ शिंदे और शिरसाट पर लगाया आरोप

मुंबई। शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में कथित 50,000 करोड़ रुपये के भूमि घोटाले की जांच और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और शिवसेना मंत्री संजय शिरसाट के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। शिरसाट ने हालांकि पहले ही आरोपों से इनकार कर दिया है, और अब सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी उन्हें खारिज कर दिया है तथा राउत को सबूत पेश करके उनके दावों की पुष्टि करने की चुनौती दी है। पत्र में राउत ने दावा किया कि रायगढ़ में 4,078 एकड़ वन भूमि अवैध रूप से एक बिवलकर परिवार को हस्तांतरित कर दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि 30 वर्षों से अपात्र माने जा रहे परिवार को शिंदे की अध्यक्षता वाले शहरी विकास मंत्रालय और सरकारी योजना एजेंसी सिडको ने मनमाने ढंग से पात्र मान लिया।

स्काई वाज नेवर द लिमिट : भारत के अंतरिक्ष नायक शुभांशु शुक्ला के जीवन पर आधारित किताब

भारत को भविष्य के मिशनों के लिए 40 से 50 अंतरिक्ष यात्रियों को तैयार करने की जरूरत.....

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत को भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों का नेतृत्व करने के लिए 40-50 अंतरिक्ष यात्रियों का एक दल तैयार करना होगा. प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष में 20 दिन बिता कर लौटे शुभांशु शुक्ला से बातचीत के दौरान यह बात कही. शुक्ला एक्सिओम-4 वाणिज्यिक मिशन के जरिये अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आईएसएस) की यात्रा करने वाले पहले भारतीय बने. उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया कि भारत के गगनयान मिशन को लेकर दुनिया भर में जबरदस्त रुचि है. प्रधानमंत्री के साथ सोमवार शाम को बातचीत में शुक्ला ने एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) तक की अपनी अंतरिक्ष यात्रा, सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण स्थितियों के साथ तालमेल और कक्षीय प्रयोगशाला में किए गए प्रयोगों के बारे में अपने अनुभव भी साझा किए. इस बातचीत का वीडियो सोमावार को जारी किया गया. प्रधानमंत्री ने कहा, भारत के भविष्य के मिशनों के लिए 40-50 अंतरिक्ष यात्रियों का एक दल तैयार करने की आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा भविष्य के अंतरिक्ष मिशन की दिशा में पहला कदम है. मोदी ने कहा कि अब तक बहुत कम बच्चों ने अंतरिक्ष यात्री बनने के बारे में सोचा होगा, लेकिन शुक्ला की यात्रा से इस क्षेत्र में अधिक विश्वास पैदा होगा और रुचि पैदा होगी.प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के सामने अब दो बड़े मिशन हैं ङ्क भारतीय अंतरिक्ष

स्टेशन और गगनयान, और इन प्रयासों में शुक्ला का अनुभव बहुत मूल्यवान होगा. शुक्ला ने कहा कि दोनों मिशन ने देश के लिए एक बड़ा अवसर प्रस्तुत किया है और चंद्रयान-2 मिशन जैसी असफलताओं के बावजूद अंतरिक्ष क्षेत्र के प्रति सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता प्रशंसनीय है. उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा अंतरिक्ष कार्यक्रम को लगातार बजट उपलब्ध कराने के कारण चंद्रयान-3 को सफलता मिली.शुक्ला ने कहा कि असफलताओं के बाद भी इस तरह के समर्थन को विश्व स्तर पर अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की क्षमता और स्थिति के प्रतिबिंब के रूप में देखा जा रहा है. उन्होंने कहा, भारत नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकता है और भारत के नेतृत्व में अन्य देशों की भागीदारी से अंतरिक्ष केंद्र एक शक्तिशाली साधन होगा. शुक्ला ने प्रधानमंत्री को बताया कि भारत की गगनयान परियोजना दुनिया भर में बहुत रुचि पैदा कर रही है.उन्होंने कहा, मेरे साथियों ने हस्ताक्षरित नोट भी मांगे, जिनमें उन्होंने प्रक्षेपण में आमंत्रित किए(

राधाकृष्णन को देंगे चुनौती

सुदर्शन रेड्डी होंगे उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार...

नई दिल्ली/ एजेंसी

पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार होंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इनके नाम का एलान किया। उन्होंने बताया कि विपक्ष ने एकमत होकर सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश के नाम पर सहमति जताई है। इससे पहले विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं ने उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के नाम पर फैसला लेने और उसकी घोषणा करने के लिए 10 राजाजी मार्ग पर बैठक की थी। बैठक के बाद विपक्ष ने उनके नाम का एलान

किया। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी 21 अगस्त को अपना नामांकन दाखिल करेंगे। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, 'बी. सुदर्शन रेड्डी भारत के सबसे प्रतिष्ठित और प्रगतिशील न्यायविदों में से एक हैं। उनका एक लंबा और प्रतिष्ठित कानूनी करियर रहा है। वे आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, गौहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में काम कर चुके हैं। वे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के एक निरंतर और साहसी समर्थक रहे हैं। वे एक गरीब हितैषी व्यक्ति हैं। यदि आप उनके कई फैसले पढ़ेंगे, तो आपको पता चलेगा कि उन्होंने कैसे गरीबों का पक्ष लिया और संविधान व मौलिक अधिकारों की रक्षा की। पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी का मुकाबला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को जमानत दी

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) शिक्षक भर्ती घोटाले के मामले में जमानत दे दी। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और एनके सिंह की पीठ ने चटर्जी की ओर से दायर जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। चटर्जी ने 2022 मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की जांच को चुनौती दी थी। उनके साथ पूर्व कुलपति सुबीरेश भट्टाचार्य और अधिकारी शांतिप्रसाद सिन्हा को भी जमानत मिली है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता चटर्जी को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद भी रिहा नहीं किया जाएगा । क्योंकि अभी प्राथमिक शिक्षक भर्ती घोटाले से जुड़े सीबीआई के एक अन्य मामले की सुनवाई लंबित है।

वोटर अधिकार यात्रा

तेजस्वी का ऐलान,अगली बार राहुल गांधी को पीएम बनाएंगे...

नई दिल्ली/ एजेंसी

राजद नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को कहा कि अगले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए विपक्ष मिलकर काम करेगा। उनकी टिप्पणी से इस बात के स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि 2029 के आम चुनावों में राहुल गांधी को इंडिया ब्लॉक के प्रधानमंत्री पद के चेहरे के रूप में पेश किया जा सकता है। राजद नेता ने कहा कि अगले लोकसभा चुनाव होने पर हम राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने की दिशा में काम करेंगे। बिहार के नवादा में 'मतदाता

अधिकार' रैली का नेतृत्व करते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की मौजूदगी में यादव ने यह टिप्पणी की। रैली को संबोधित करते हुए, यादव ने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि युवा पीढ़ी को राज्य चलाने का मौका मिले। यादव ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार 'खटारा' हो गई है और इसे तुरंत बदलने की ज़रूरत है। युवाओं को अब मौका मिलना चाहिए... हमारे पास बिहार के लिए एक विज़न है। युवाओं ने संकल्प लिया है कि वे इस पुरानी और जर्जर सरकार को सत्ता से हटाएँगे और अगले लोकसभा चुनावों के बाद राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाएँगे। उन्होंने कहा कि हमारे पास बिहार के लिए दृष्टिकोण हैं। युवाओं ने संकल्प लिया है कि वे इस पुरानी और खटारा सरकार को सत्ता से हटाएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि अगले लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनें।

मध्य रेलवे ने सात जोड़ी ट्रेनों को किया रद्द....

महाराष्ट्र में आफत की बारिश, 14 लोगों की मौत

मुंबई/ एजेंसी

महाराष्ट्र में बीते कुछ दिनों से हो रही बारिश ने लोगों की आफत बढ़ा रखी है। राज्य में लगातार हो रही बारिश और बाढ़ से अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि सैकड़ों लोगों को बचाया गया है। नांदेड़ में बादल फटने के बाद आई बाढ़ में आठ लोगों की मौत हो गई। जबकि अलग-अलग घटनाओं में छह लोगों ने जान गंवा दी। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने लोगों से कहा है कि आगामी 48 घंटे बेहद अहम हैं, वे सावधानी बरतें। वहीं बारिश के चलते ट्रैक पर पानी भरने से मध्य रेलवे ने सात जोड़ी ट्रेनों को रद्द कर दिया है। कई ट्रेनों का रास्ता बदला गया है। नांदेड़ जिले में बादल फटने के कारण आई बाढ़ में आठ लोगों की मौत हो गई। जबकि मुंबई में करीब 300 मिमी बारिश दर्ज की गई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश के कारण 12 से 14 लाख एकड़ भूमि पर लगी फसलें नष्ट हो गई हैं। मुंबई की जीवनरेखा कही जाने वाली लोकल ट्रेनें या तो धीमी हो गई हैं या देरी से चल रही हैं। मीठी नदी मुंबई में खतरे के निशान तक पहुंच गई है और 400 से 500 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना पड़ा है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे स्थिति पर नजर रख रहे हैं। सीएम ने बताया कि नांदेड़ जिले के बाढ़ प्रभावित गांवों से 290 से अधिक लोगों को बचाया गया है। क्षेत्र में राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और

सेना को तैनात किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने कम दबाव के क्षेत्र और मानसूनी हवाओं के तेज होने के कारण मूसलाधार बारिश हुई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग पुणे के वरिष्ठ वैज्ञानिक एसडी सनप ने कहा कि इस प्रणाली ने उत्तरी कोंकण से केरल तक फैली एक द्रोणिका को सक्रिय कर दिया है। इससे कोंकण, मध्य महाराष्ट्र और घाटों पर बहुत भारी से लेकर अत्यंत भारी बारिश हो रही है। जबकि राज्य के बाकी हिस्सों में मध्यम वर्षा हो रही है। आईएमडी ने अगले दो दिनों तक मुंबई सहित कोंकण और मध्य महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में भारी बारिश का अनुमान जताया है, जबकि मराठवाड़ा और विदर्भ में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा कि लगातार बारिश से राज्य में लगभग 10 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि जलमग्न हो गई है। बारिश थमने के बाद नुकसान का आकलन शुरू किया जाएगा। गढ़चिरौली में सोमवार शाम से लगातार हो रही बारिश के कारण निचले इलाकों में पानी भर गया है और संपर्क बाधित हो गया है। पर्लकोटा नदी के उफान पर आने के कारण भामरागाड तालुका के 50 से अधिक गांव संपर्क से कटे हुए हैं। इसके चलते भामरागा-अल्लापल्ली राजमार्ग को बंद करना पड़ा।

नांदेड़ में सात लोग बाढ़ में बहे, तीन को बचाया गया

नांदेड़ जिले में मंगलवार को ऑटोरिक्शा और कार में सवार सात लोग बाढ़ग्रस्त सड़क पर बह गए। स्थानीय बचाव दल तीन पुरुषों को बचाने में सफल रहे हैं, जबकि एक पुरुष और तीन महिलाओं की तलाश जारी है। मुजखेड़-उदगीर रोड पर देर रात करीब 1.40 बजे हादसा हुआ। अफसरों ने कहा कि जिले के बाढ़ प्रभावित गांवों से 293 लोगों को बचाया गया है। एसडीआरएफ की टीमों ने चार गांवों से लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। बचाव अभियान लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। अफसरों ने कहा कि रावनगांव से कम से कम 225 लोगों को, भिंगोली से 40 लोगों को, बसवाड़ी से 10 लोगों को और हसनाल से आठ लोगों को निकाला गया। भारतीय सेना की एक इकाई ने बाढ़ प्रभावित लोगों के इलाज के लिए एक चिकित्सा शिविर स्थापित किया है।

C M Y K

कामठी लाइन में हुई कार्रवाई, भीतरी सड़कों में बसों की आवाजाही से परेशानी

फिर चला बुलडोजर, तोड़े कब्जे, स्कूल बसों की भी मनमानी, लग रहा जाम

राजनांदगांव। ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर करने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम लगातार अतिक्रमण पर कार्रवाई कर रही है। सोमवार को अफसरों की टीम कामठी लाइन निकली, जहां दुकानों के सामने लगे टीन शेड, सीढ़िया और लोहे के घेरों को तोड़ा गया। इस दौरान कुछ व्यापारियों ने नाराजगी दिखाई, कुछ ने समय मांगा। लेकिन अमले ने सीधे बुलडोजर चलाया।

गौरतलब है कि इससे पहले मानव मंदिर चौक, गुड़ाखू लाइन, जूनी हटरी, ममता नगर और फ्लाई ओवर के नीचे के अतिक्रमण को हटाया गया। कई जगहों से दुकानदारों को भी हटवाया गया। इसके चलते विरोध के स्वर भी सामने आए, लेकिन प्रशासनिक अमता हर हिस्से में कार्रवाई करता नजर आ रहा है। कामठी लाइन में ज्यादातर घरों और दुकानों के सामने शेड लगे मिले, कई जगह प्लेटफार्म और सीढियां बना दी गई है। इस कारण सड़क सकरी हो गई और आवाजाही में समस्या आती है। जगह कम होने के कारण रोड के बड़े हिस्से में गाड़ियों को पार्क कर दिया जाता है। जबकि कामठी लाइन प्रमुख मार्ग है, जहां दिनभर वाहनों की आवाजाही होती रहती है। इस कारण यहां रोड को पूरी तरह से गाड़ियों के लिए ही सुरक्षित रखने की जरूरत है।

स्कूल बसों के लिए भी गाइडलाइन जरूरी

शहर के भीतरी सड़कें सकरी है, इसके बावजूद सुबह, दोपहर और शाम के समय स्कूल बसों की आवाजाही होती है। इस कारण भी लंबा जाम लग जाता है। शहर में खासकर कामठी लाइन, गोल बाजार, जूनी हटरी, सदर बाजार, भारत माता चौक, रामाधीन मार्ग में स्कूली बसों की आवाजाही से दिक्कत होती है। इसलिए स्कूली बसों के लिए पाइंट तय कर दिए जाने चाहिए। ताकि बच्चों के लिए स्टॉपेज तय हो। इससे ट्रैफिक जाम से भी छुटकारा मिलेगा।

जिला सहकारी बैंक में सचिन बघेल ने किया ध्वजारोहण

राजनांदगांव। जिले में स्वतंत्रता दिवस का पर्व काफी धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान स्वतंत्रता दिवस के 79 वर्षगांठ पर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के प्रधान कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण किया गया।

यहां बैंक अध्यक्ष सचिन सिंह बघेल द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इसमें बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभात मिश्रा, अधीक्षक सुरेश द्विवेदी मुख्य लेखा पाल अचला नंदीश्वर, शाखा प्रबंधक मनीष श्रीवास्तव, प्रकाश अखिलेश, बैंक के प्रधान कार्यालय तथा शाखा व समिति के कर्मचारी उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के पश्चात स्वाधीनता दिवस पर कर्मचारियों द्वारा अपने विचार रखकर माहौल को देश भक्ति दे सराबोर कर दिया।

नगर सैनिक में भर्ती के लिए परिणाम जारी

जशपुरनगर। जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी नगर सेना से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2024-25 में 1715 महिला नगर सैनिकों की छात्रावास ड्यूटी हेतु तथा 500 महिला एवं पुरुष नगर सैनिक जनरल ड्यूटी हेतु भर्ती कार्यवाही की गई थी।

जिसका परिणाम 08 अगस्त 2025 को जारी किया गया है। उक्त भर्ती परिणाम विभागीय वेबसाईटhttps //www.cghgcd.gov.in एवं https //firenoc.cg.gov.in में अपलोड किया गया है। नगर सैनिक भर्ती परीक्षा परिणाम हेतु अभ्यर्थी वेबसाइट का अवलोकन कर सकते है।

ओवरटेक करने पर विवाद, युवक पर तलवार से हमला, एक गिरफ्तार, दूसरा फरार

त्रिवेणी परिसर के पास रविवार रात हुई वारदात, पुलिस का तत्काल एक्शन

राजनांदगांव। गाड़ी ओवरटेक करने की बात को लेकर युवकों के बीच विवाद हो गया। इसी बीच एक आरोपी ने तलवार से युवक पर हमला कर दिया और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को अरेस्ट कर लिया है। वहीं दूसरा आरोपी फरार बताया गया है, उसकी तलाश की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ पहले भी मामले कायम हो चुके है। मिली जानकारी के अनुसार रविवार रात तकरीबन साढ़े 10 बजे त्रिवेणी परिसर के पास होटल अवाना रोड से कसाईपारा निवासी रहमान कुरैशी पिता नफीज कुरैशी जा रहा था। तभी प्रभात नगर में रहने वाला मिथलेश पांड्या और उसका दोस्त राहुल भी गाड़ी से आए। तीनों के बीच बाइक ओवरटेक करने की बात को लेकर बहस होने लगी। तभी आरोपी ने रहमान पर तलवार से हमला कर दिया, इसमें रहमान को दाहिने गाल पर चोट आई। तत्काल उसे हास्पिटल ले जाया गया, जहां उसका उपचार किया गया। इसके बाद पुलिस टीम ने आरोपी मिथलेश पांड्या को गिरफ्तार किया और राहुल की तलाश जारी है। बताया गया कि विवाद के दौरान रहमान से अपने दोस्त शाहिद और भाई अरमान को भी मौके पर बुलाया, बीचबचाव में उन्हें चोट आई है।

शहर में बढ़ रही अपराधिक घटनाएं

शहर में अपराधिक घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा है। कुछ दिन पहले ही प्यारेलाल चौक पर युवकोंने मिलकर बाइक सवार पर चाकू से वार कर दिया गया था। इससे पहले देवादा में मर्डर की वारदात हो चुकी है। इस तरह की तमाम वारदातों में आरोपी तो पकड़े गए, लेकिन पुलिस को ऐसी घटनाओं पर शिंकजा कसना जरूरी है।

घुमंतू व आवारा मवेशियों को एक निश्चित प्लेटफार्म मिला ग्राम पंचायत भाड़ी में, कोरिया जिले का ग्राम पंचायत भाड़ी बना एक मिसाल

बैकुंठपुर कोरिया । घुमंतू व आवारा गौवंशो की समस्या को देखते हुए ग्राम पंचायत भांडी की उप सरपंच ने जहां चाह वहां राह की कहावत को चरितार्थ करते हुए सरपंच सचिव व ग्रामीणों के सहयोग से गांव में गौशाला की स्थापना कर बाकी ग्राम पंचायतों को एक सुन्दर संदेश दिया है । देश व प्रदेश में घुमंतू व आवारा गौ वंश एक बड़ी समस्या बनकर सामने आए हैं इसके निदान के लिए छत्तीसगढ़ सरकार हमर गांव हमार गोठान नाम से योजना भी शुरू कर रही है उसके पहले ही ग्राम पंचायत भाड़ी में ग्रामीणों ने पहल कर स्वयं का गौशाला बनाकर एक सुंदर संदेश दिया है। इस संबंध में ग्राम भाड़ी की उपसरपंच संगीता सिंह चौहान ने बताया कि पूर्व में भी आवारा गौवंशो को अपने घर पर रखकर यथासंभव सेवा करते थे लेकिन उप सरपंच की जिम्मेदारी मिलने पर पूरे गांव की समस्या दूर करने का निर्णय किया और सरपंच, सचिव, गौ सेवक और ग्रामवासियों के सहयोग से सरकारी जमीन पर गौशाला का निर्माण किया गया है जहां गौवंशो के खाने और पानी के लिए दो लोगों को रखा गया है। अभी गौशाला में 200 से ढाई सौ गौवंश है जिससे अब अपने आप में खुशी होती है कि आमजन व आवारा गौवंश को अब दुर्घटना का शिकार नहीं होना पड़ेगा और आने वाले समय में कुछ अच्छा और करने की बात कही है। गांव के सरपंच शिव बालक पंडो ने बताया कि दूसरे गांव के लोग शासन की योजना आने का इंतजार कर रहे हैं लेकिन हमारे द्वारा गौशाला का निर्माण कर उन्हें यह एक संदेश दिया गया है कि आप चाहे तो गोवंश कोई समस्या नहीं है मन से सेवा करने पर पुण्य मिलेगा। ग्राम भांडी के सचिव राम विनोद यादव ने बताया कि ये सुविधा हम अपने गांव के लोगों के लिए शुरू किए हैं और उन्होंने गांव के लोगों से अपील भी की है कि आवारा घुमंतू गौवंशों के अलावा अपने घर के गोवंश यहां ना छोड़े दूसरे गांव के अगर ग्रामीण अपने यहां के गौवंश को लाकर छोड़ते हैं तो उनके ऊपर कार्यवाही कराई जाएगी। गौ सेवक रिचेश सिंह चौहान ने बताया कि रोज दुर्घटना होने से मन व्यथित हो जाता था गौवंशो को सड़क से किनारे करने पर भी वह कुछ देर बाद आकर फिर भी सड़क में बैठ जाते थे जिससे कई बार गंभीर दुर्घटनाएं घटी है। सभी के सहयोग से गौशाला का निर्माण हो गया है तो खुशी होती है कि गौवंश व अपने गांव के लोगों के लिए कुछ अच्छा किया है।

गांव में गौठान नहीं होने के बावजूद स्वयं के खर्चे से बना हैं गौशाला - पूर्व में कांग्रेस शासन के कार्यकाल में सभी ग्राम पंचायतों में गौठान का निर्माण किया गया लेकिन ग्राम पंचायत भाड़ी को यह कहकर दरकिनार कर दिया गया ग्राम पंचायत भाड़ी में गौठान के लिए जमीन कम है लेकिन ग्रामीणों ने अपनी समस्या का समाधान निकालते हुए गौशाला का निर्माण कर दूसरे ग्राम पंचायत को भी आईना दिखा दिया है।

छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिकारी कर्मचारी संघ फेडरेशन की बैठक आयोजित किया गया

मुंगेली। छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिकारी कर्मचारी संघ फेडरेशन की महत्वपूर्ण महत्वपूर्ण बैठक, प्रांत अध्यक्ष तुलसी साहू की अध्यक्षता में जूम गूगल एप के माध्यम से आयोजित किया गया। जिसमें सर्वप्रथम जूम गूगल से जुड़े 100 प्रतिनिधियों को, कृष्ण जन्माष्टमी पर्व की बधाई देते हुए, संघ के महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा किया गया। विधानसभा चुनाव के समय भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष एवं उनके चुनाव घोषणा समिति के अध्यक्ष द्वारा , पंचायत सचिवों की मागे प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी में शामिल करते हुए 100 दिन के भीतर सभी पंचायत सचिवों को शासकीय कारण करने हेतु, उनकी मांग को पूर्ण करने हेतु वादा किया गया था, जिसमें आज तक कोई भी सकारात्मक पहल नहीं किया गया स एवं ना ही मांग पूर्ण किया गया स बैठक में फेडरेशन में सम्मिलित पंचायत विभाग के अधिकारी, करारोपण अधिकारियों का विभागीय सेटअप आज तक तैयार नहीं किया गया एवं ना ही शासन से इस संबंध में कोई पहल किया गया स जिसके कारण पूरी सेवा काल में किसी भी करारोपण अधिकारियों का विभागीय पदोन्नति नहीं हो पा रही है स तथा 70 प्रतिशत करारोपण अधिकारी बिना पदोन्नति के, उस पद पर ही सेवानिवृत हो रहे हैं छत्तीसगढ़ प्रदेश में यह पहला पंचायत विभाग है, जिसका आज दिनांक तक अधिकारी कर्मचारियों का विभागीय सेटअप शासन से स्वीकृत नहीं हुआ है। जबकि शासन की सभी महत्वपूर्ण योजनाएं पंचायत विभाग के अधिकारी कर्मचारियों के सहयोग से ही धरातल पर सफल हो रही है। फेडरेशन में सम्मिलित ग्राम रोजगार सहायक संघ की मांगों पर आज दिनांक तक, विभाग द्वारा कोई भी ठोस पहल नहीं किया गया।,जिसके कारण संबंधित विभागीय कर्मचारियों के द्वारा कई बार रोश प्रकट करते हुए शासन के समक्ष मांग रखा गया।

शराबी शिक्षकों की कार्यप्रणाली से बलरामपुर रामानुजगंज जिला बना सुर्खियों का केंद्र

बलरामपुर । बलरामपुर रामानुजगंज जिले के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र में स्वतंत्रता दिवस की शाम शराब के नशे में उत्पात मचाने वाले एक शिक्षक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 अगस्त की शाम करीब 7.30 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक व्यक्ति नशे की हालत में मारपीट और तोड़फाड़ कर रहा है तत्पश्चात पुलिस मौके पर पहुंची और अस्पताल कर्मियों व परिजनों की मदद से आरोपी को नियंत्रित किया गया। इसके पूर्व आरोपी ने अस्पताल की बीपी मशीन और इंजेक्शन टेकिंग रूम को भी क्षतिग्रस्त कर दिया था। उक्त व्यक्ति की पहचान प्रबोध एक्का 40 वर्ष पिता सैलूस एक्का के रूप में हुई है,जो शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रेहड़ा में शिक्षक के पद पर पदस्थ है। व्ही खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आफ्ताब अंसारी की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धाराओं के तहत लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम 1984 की धारा 3,छत्तीसगढ़ आबकारी एक्ट की धारा 36 (च) (2), तथा छत्तीसगढ़ चिकित्सा सेवक एवं चिकित्सा सेवा संस्थान (हिंसा एवं संपत्ति क्षति निवारण) अधिनियम 2010 की धारा 3 के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया। गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया हैं। शपथ दिलाने के बाद भी शासकीय सेवक खुलेआम पी रहे शराब-बलरामपुर रामानुजगंज जिले में समय-समय पर आयोजित होने वाले शासन एवं प्रशासन की ओर से कार्यक्रमों में शासन प्रशासन के द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत शपथ दिलाई जा रही है इसके बाद भी शासकीय सेवक खुलकर शराब के नशे में अपनी काले कारनामे दिखाने से बाज नहीं आ रहे हैं इससे यही प्रतीत होता है कि जिले के शासकीय सेवकों में शासन प्रशासन का कोई भय नहीं रह गया और वह खुलेआम मनमानी करने पर उतारू है इससे यह पता चलता है कि जिले की कानून व्यवस्था बद से बरत होती चली जा रही है इस बात की चर्चा आए दिन जनता के जुबानों से सुनने को मिल रहा है जो बहुत बड़ी चिंता का विषय है?।

ब्राउन शुगर व अफीम सहित 01 आरोपी, 01 अपचारी बालक को पकड़ने में मुंगेली पुलिस को मिली बड़ी सफलता

मुंगेली। भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे अभियान ''नशा मुक्त भारत पखवाड़ा'' के तहत नशे के अवैध कार्य करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके परिपालन मे पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल द्वारा चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन बाज के तहत सुखा नशा जैसे ब्राउन शुगर, चरस, अफीम के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने निर्देशित किया गया व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सु नवनीत कौर छाबड़ा व उप पुलिस अधीक्षक एस.आर.घृतलहरे, उप पुलिस अधीक्षक नवनीत पाटिल के पर्यवेक्षण में 16.08.2025 को जरिये मुखबीर सूचना प्राप्त हुआ कि 01 मोटरसाइकल में 02 व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ ब्राउन शुगर एवं चरस की तस्करी करते हुये बिलासपुर से मुंगेली तरफ आने वाले हैं कि सूचना पर जिले की साइबर सेल एवं थाना जरहागांव का संयुक्त टीम गठित कर विधिसम्मत कार्यवाही हेतू रवाना किया गया। सूचना तस्दीकी हेतू ग्राम छतौना थाना जरहागांव के सामने मेन रोड मे घेराबंदी एवं रेड कार्यवाही हेतु अलग-अलग स्थानों पर पुलिस टीम को तैनात किया गया। इसी दौरान शाम 07.05 बजे के मध्य बिलासपुर तरफ से मोटर सायकल हीरो स्पलेण्डर प्लस क्रमांक सीजी 28 क्यू 9642 आते दिखा जिसे पूर्व से तैनात पुलिस की टीम द्वारा ग्राम-छतौना थाना के सामने मेन रोड पर घेराबंदी कर रोका गया, मोटर-सायकल मे 02 व्यक्ति थे, जिसे एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों का पालन करते हुये गवाहो के समक्ष मोटरसायकल एवं उसमें सवार व्यक्तियों की विधिवत् तलाशी ली गई, तलाशी दौरान मोसा. मे पीछे बैठे (1) अपचारी बालक के जेब से भुरे रंग का पाउडर ब्राउन शुगर वजन 4.03 ग्राम कीमती 8000 रूपये, 01 नग विवो मोबाइल कीमती 10,000 रूपये, मोटर सायकल हीरो स्पलेण्डर प्लस क्रमांक सीजी 28 क्यू 9642 कीमती 50,000 मिला (2) दिवी उर्फ बाबू पाठक पिता गोपी पाठक उम्र 24 वर्ष निवासी रामगोपाल वार्ड मुंगेली के पैन्ट के जेब से एक नग जिपर वाले पारदर्शी पॉलीथीन के अंदर चरस वजन 20.18 ग्राम कीमती 40000 रूपये, 01 नग आईफोन कीमती 01 लाख रूपये दोनो से प्राप्त मादक पदार्थ, मोबाइल, मोटर सायकल की जुमला कीमती 2,80,000 रूपये को विधिवत जप्त कर 01 आरोपी दिवी पाठक को मौके पर विधिवत गिरफ्तार कर तथा 01 विधि से संघर्षरत बालक का सामाजिक परिस्थिति की पृष्ठभुमि का फार्म भरकर अभिरक्षा मे लिया गया। अपचारी बालक व आरोपी दिवी पाठक के विरूद्ध थाना जरहागांव मे अपराध क्र.111/15 धारा 21,22 एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी दिवी पाठक व अपचारी बालक को माननीय न्यायालय न्यायिक रिमाण्ड पर भेजी गई।

9 वर्षों से सतत चलाया जा रहा अभियान 'हरियर मुंगेली सुघ्घर मुंगेली' इस वर्ष अपने छठवें चरण में पहुँचा

मुंगेली। स्टार्स ऑफ टुमॉरो वेलफेयर सोसायटी द्वारा पर्यावरण संरक्षण और हरियाली के प्रसार के उद्देश्य से पिछले 9 वर्षों से सतत चलाया जा रहा अभियान 'हरियर मुंगेली सुघ्घर मुंगेली' इस वर्ष अपने छठवें चरण में पहुँचा। इस अवसर पर पुलिस लाइन जाने वाली नहर मार्ग पर नीम, कदम, बादाम, मौल सहित 25 पौधों का रोपण किया गया तथा सभी पौधों को ट्री-गार्ड लगाकर संरक्षित किया गया। यह चरण विशेष रूप से स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को समर्पित रहा। उनके बलिदान और योगदान को स्मरण करते हुए पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। संस्था के वरिष्ठ सदस्य दिनेश गोयल ने बताया कि जिस प्रकार हमारे वीर स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को आज़ाद कराया और सुरक्षित भविष्य सौंपा, उसी भाव से हमारी संस्था निरंतर हरियाली बचाने का कार्य कर रही है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित और हराभरा पर्यावरण मिल सके। संस्था के मार्गदर्शक सदस्य देवशंकर वास्तव ने कहा आज हम शहीदों की स्मृति में पौधे लगाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। हमारी कोशिश है कि मानसून में पड़ने वाले हर पर्व और अवसर को पौधरोपण से जोड़कर समाज को प्रेरित किया जाए, ताकि हर नागरिक पर्यावरण की महत्ता को समझे और प्रकृति के संरक्षण में अपनी भूमिका निभाए। इस अवसर पर स्टार्स ऑफ टुमॉरो के संयोजक रामपाल सिंह, सह संयोजक रामशरण यादव, अध्यक्ष महावीर सिंह, सचिव विनोद यादव, कोषाध्यक्ष धनराज परिहार, दिनेश गोयल, गोखलेश सिंह, देवशंकर वास्तव, आशीष सोनी, विकास जैन, रणवीर सिंह, मुकेश पांडेय, कोमल चैबे, आशीष सिंह, सुनील वाधवानी, नागेश साहू, पप्पू शर्मा, आर्या सिंह श्रेयांश बैद, पप्पू शर्मा, वैभव ताम्रकार, दिलबाग सिंह, वासु पांडेय, अजय चंद्राकर, चित्रकान्त सिंह।

आंजनेय विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय 'सृजन इंटर-स्कूल प्रतियोगिता' 4.0 का भव्य आयोजन 20 से

शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं खेल प्रतिभाएं होंगी एक मंच पर

- **प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को नगद पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र दिए जाएंगे**

रायपुर। आंजनेय विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा 20 अगस्त से 22 अगस्त 2025 तक तीन दिवसीय सृजन इंटर-स्कूल प्रतियोगिता 4.0 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं खेल प्रतिभाओं को एक मंच पर लाना और उनमें प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास एवं टीम भावना का विकास करना है। आयोजन समिति के संयोजक डॉ. जयेंद्र नारंग ने जानकारी देते हुए बताया कि आंजनेय विश्वविद्यालय हमेशा से ही विद्यार्थियों की बहुमुखी प्रतिभाओं के विकास हेतु कार्य करता रहा है। सृजन 4.0 इसी प्रयास की कड़ी है, जिसमें रायपुर एवं आसपास के अनेक विद्यालयों के छात्र-छात्राएँ भाग ले रहे हैं।

डॉ. नारंग ने कहा कि यह प्रतियोगिता केवल प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम, समय प्रबंधन और नवाचार जैसे मूल्यों से भी जोड़ती है। लगभग 40 स्कूलों से 1200 से अधिक प्रतिभागी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में खेल, शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएंगी।

सृजन 4.0 के अंतर्गत तीन दिनों तक होंगे ये आयोजन-पहला दिन : कार्यक्रम के पहले दिन विद्यार्थियों में खेल कौशल को प्रदर्शित करने हेतु विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित होंगी, जिनमें तवा फेंक, गोला फेंक, बास्केटबॉल, भाला फेंक, क्रिकेट और कबड्डी शामिल हैं। साथ ही शैक्षणिक प्रतिस्पर्धाओं में वाद-विवाद, तात्कालिक भाषण और रिले दौड़ का आयोजन होगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत गायन (एकल व समूह), वाद्य वादन तथा फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन होगा।

दूसरा दिन : दूसरे दिन खेल प्रतियोगिताओं का रोमांच और बढ़ेगा। इसमें तवा फेंक, गोला फेंक, बास्केटबॉल, भाला फेंक, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, क्रिकेट फाइनल और कबड्डी (छात्र) शामिल हैं। सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में नृत्य (एकल व समूह), फायरलेस कुकिंग और मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। तीसरा दिन : अंतिम दिन में खेल के अंतर्गत वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, कबड्डी (छात्र एवं छात्राएँ) के फाइनल मुकाबले होंगे।

सास ने की गाली-गलौज, बहु ने डंडे से पीटकर की हत्या

- **मामला डोंगरगढ़ थाना क्षेत्र का, आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया**

राजनांदगांव। डोंगरगढ़ इलाके में घरेलु विवाद के चलते बहु ने सास की डंडे से पीटकर हत्या कर दी। मामले में पुलिस ने आरोपी बहु को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है। बताया गया कि आए दिन सास और बहु का विवाद होता रहता था। सास-बहु ग्राम राका के मोहल्ले में अलग-अलग घरों में रहते थे। घटना के दिन झगड़ा ज्यादा ही बढ़ गया और यह हत्या की वारदात हो गई।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि रविवार को शाम तकरीबन 5 बजे ग्राम राका में रहने वाली खोम बाई अपने घर पर काम कर रही थी। तभी उसकी सास बेद बाई आ गई और खोम बाई के साथ गाली-गलौज करने लगी। इसी बीच सास बेद बाई ने डंडे से उसके साथ मारपीट करने की कोशिश की। तभी आरोपी खोम बाई ने अपनी सास के हाथ से डंडा छिनी और उस पर वार करने लग गई। इस बीच आरोपी ने सास पर लोहे की फुंकनी से भी मारपीट की। इस झगड़े में बेद बाई को अधिक चोटें आई और उसकी मौत हो गई। इसके बाद वारदात की जानकारी पुलिस को लगी और आरोपी बहु को हिरासब में लेकर पूछताछ की गई तो उसने जुर्म करना कबूल किया और बताया गया कि अक्सर दोनों के बीच विवाद होता था। रविवार को भी सास बेदबाई ने उसके साथ गाली'गलौज की, कई बार मना करने के बाद भी वह ऐसा करती रही। इसके कारण ही यह घटना घट गई।

संक्षिप्त समाचार

शराब के लिए पैसे नहीं मिलने पर युवक पर चाकू से हमला, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। थाना धरसींवा के सिलतरा चौकी क्षेत्र में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां शराब पीने के लिए पैसे नहीं मिलने पर एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया। इस हमले के आरोपी मंजीत यादव (उम्र 20 वर्ष), निवासी सड्डु थाना विधानसभा, को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू भी जप्त कर लिया गया है। घटना 06 अगस्त 2025 की रात की है, जब प्रार्थी बबलू भूईया अपने मित्र नरेन्द्र कुमार सिंह और सतीश चंद्रवंशी के साथ सिलतरा से पैदल ग्राम चरौदा लौट रहा था। रात करीब 10:30 बजे जब वे मीनू ढाबा के पास रायपुर-बिलासपुर रोड पर पहुंचे, तभी दोपहिया वाहन में सवार एक युवक उनके पास आया और शराब पीने के लिए पैसे मांगने लगा। मना करने पर आरोपी ने गाली-गलौज कर मारपीट शुरू कर दी और प्रार्थी बबलू भूईया पर चाकू से हमला कर फरार हो गया। घटना की रिपोर्ट पर थाना धरसींवा में अपराध क्रमांक 378/25 धारा 119(1), 296, 115(2), 351(2), 118(1), 3(2) बी.एन.एस. एवं 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा घटना को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले, नगर पुलिस अधीक्षक पूर्णिमा लामा, थाना प्रभारी धरसींवा और चौकी प्रभारी सिलतरा राजेन्द्र कंवर के मार्गदर्शन में जांच टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और प्रार्थी व उसके साथियों से पूछताछ की। जांच के दौरान सड्डु निवासी मंजीत यादव की संलिप्तता सामने आई, जिसे हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार किया। फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके कब्जे से हमला में प्रयुक्त धारदार चाकू भी जब्त कर लिया गया है।

हेरोइन के साथ पकड़े गए 3 युवक, मुक्तिधाम के पास तलाश रहे थे ग्राहक

रायपुर। राजधानी रायपुर में शनिवार को काशीनगर स्थित मुक्तिधाम के पास पुलिस ने तीन युवकों को हेरोइन (चिट्टा) की तस्करी करते पकड़ा है। आरोपियों के पास से 6.30 ग्राम हेरोइन, एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू, नगद बिक्री की रकम और तीन मोबाइल समेत कुल 1.20 लाख रुपए का माल जब्त किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि काशीनगर क्षेत्र में 3 संदिग्ध युवक हेरोइन बेचने के फिराक में ग्राहक तलाश रहे हैं। जिसके बाद मुखबिर के बताए हुलिए के आधार पर तीन युवकों को पकड़ा गया। आरोपियों की पहचान अर्पित लाल मरकाम, मनीष राजपाल और नयन भाटिया (सभी निवासी रायपुर) बताया। तलाशी के दौरान तीनों के पास से हेरोइन (चिट्टा) बरामद किया गया। बता दें कि, पाकिस्तान की ड्रग्स रायपुर में बेचने वाले सिंडिकेट के आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। पाकिस्तान की हेरोइन रायपुर में बेचने वाले 17 आरोपियों पर पुलिस कार्रवाई कर चुकी है। ये आरोपी कमल विहार इलाके को अड्?डा बनाकर ड्रग्स बेचने का काम करते थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ये आरोपी 8 महीने से हेरोइन बेचने का कारोबार कर रहे थे। आरोपियों के पास से पुलिस ने कार्रवाई के दौरान 1 करोड़ का हेरोइन भी बरामद किया था। जांच अधिकारियों का कहना है कि, आरोपियों के सिंडिकेट में कुछ सफेद पोश लोगों के जुड़े होने की जानकारी सामने आई है। उनके बारे में जांच की जा रही है। आने वाले दिनों में उनकी भी गिरफ्तारी होगी।

स्टंटबाजी पड़ी भारी, 128 बाइकर्स और 6 कार चालकों पर कार्रवाई

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नवा रायपुर की सड़कों पर बाइकर्स गैंग द्वारा स्टंटबाजी और लापरवाहीपूर्ण ड्राइविंग की घटनाओं ने पुलिस को सख्त कार्रवाई के लिए मजबूर कर दिया। इस दौरान स्टंट करते समय एक बाइकर गाड़ी से गिरकर घायल हो गया, जिसे पुलिस ने तत्काल अस्पताल पहुंचाया। रायपुर पुलिस ने 128 दोपहिया वाहनों और 6 कार चालकों को पकड़ा, जिनके खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस को जानकारी मिली थी कि कुछ बाइकर्स ने इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर स्टंटबाजी के वीडियो और फोटो अपलोड कर अन्य बाइकर्स को नवा रायपुर में इकट्ठा होने का न्योता दिया था। इससे पहले 14 अगस्त 2025 को पुलिस ने 9 बाइकर्स को गिरफ्तार कर जेल भेजा था, जो सोशल मीडिया पर स्टंट के वीडियो पोस्ट कर रहे थे। इसके बावजूद स्वतंत्रता दिवस पर बाइकर्स गैंग द्वारा उत्पात मचाने की आशंका पर पुलिस ने कड़ा रुख अपनाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) डॉ. प्रशांत शुक्ला और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (अटल नगर) विवेक शुक्ला के मार्गदर्शन में एक विशेष योजना तैयार की गई। उप पुलिस अधीक्षक सतीश ठाकुर और गुरजीत सिंह के नेतृत्व में सिविल ड्रेस में 5 निरीक्षकों, 20 यातायात पुलिसकर्मियों, क्रेन पेट्रोलिंग और थाना राखी व मंदिर हसौद की 40 सदस्यीय पुलिस टीम ने नवा रायपुर में घेराबंदी की।

भिलाईवासियों को मिली 241.50 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात

भिलाई नगर निगम कार्यालय भवन के लिए 20 करोड़ की घोषणा

■ स्टेट कैपिटल रीजन से तेजी से होगा विकास, नागरिक सुविधाओं में आएगा नया आयाम : मुख्यमंत्री श्री साय

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि स्टेट कैपिटल रीजन से रायपुर, दुर्ग, भिलाई और राजनांदगांव सहित पूरे अंचल को लाभ मिलेगा। इससे विकास कार्यों में तेजी आएगी और नगरीय सुविधाओं का विस्तार होगा। उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों के चुनाव में जारी अटल विश्वास पत्र के सभी वादों को एक-एक कर पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय आज भिलाई में नगर पालिक निगम क्षेत्र के लिए 241.50 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने भिलाई नगर पालिक निगम के नए कार्यालय भवन के लिए 20 करोड़ रुपये की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों के विकास के लिए सरकार भरपूर सहयोग दे रही है। नगरीय सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए राज्य में सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया गया है। पूरे राज्य में प्रशासन को डिजिटल और पारदर्शी बनाया जा रहा है, जिसका सीधा लाभ नागरिकों को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य की 1460 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र शुरू हो चुके हैं। अगले छह महीनों में 5 हजार और पंचायतों को इस योजना

से जोड़ा जाएगा। 24 अप्रैल 2026, पंचायती राज दिवस पर छत्तीसगढ़ की सभी ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र प्रारंभ किए जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार ने बीते 20 महीनों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अधिकांश गारंटियों को पूरा किया है। किसानों की आर्थिक उन्नति के लिए प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी और 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से भुगतान सुनिश्चित किया गया है। महिलाओं को महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह एक-एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि दी जा रही है, जिससे 70 लाख से अधिक महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के अंतर्गत भूमिहीन कृषि मजदूरों को सालाना 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। रामलला दर्शन योजना के तहत अब तक 22 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या यात्रा कर चुके हैं। उपमुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने कहा कि प्रदेश में सरकार गठन के बाद पिछले एक वर्ष में सभी नगरीय निकायों के विकास के लिए सात हजार करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। नगरोत्थान योजना के तहत नगरीय निकायों में योजनाबद्ध और सुनियोजित विकास के लिए राशि दी जा रही है। विगत 18 माह में अकेले नगर पालिक निगम भिलाई को विकास कार्यों के लिए 470 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इसी का परिणाम है कि प्रदेश के सात नगरीय निकायों को पहली बार राष्ट्रीय स्वच्छता पुरस्कार प्राप्त हुआ है। वहीं 20 हजार से कम जनसंख्या वाले शहरों में छत्तीसगढ़ के 58 शहर पुरस्कृत हुए हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने पार्षद श्रीमती स्मृति दोड़के को स्वच्छता वार्ड के लिए शील्ड प्रदान की। प्रधानमंत्री आवास योजना के 9 हितग्राहियों को गृह प्रवेश प्रमाणपत्र, पीएम सूर्य घर योजना के तीन हितग्राहियों को प्रमाणपत्र, दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल और व्हीलचेयर प्रदान की गईं। महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक गतिविधियों के लिए राशि के चेक तथा वूमेन फॉर ट्री योजना के तहत राधारानी महिला स्व-सहायता समूह को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम को वैशाली नगर विधायक श्री रिकेश सेन और नगर निगम के महापौर श्री नीरज पाल ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक श्री ललित चन्द्राकर, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय, पूर्व मंत्री श्रीमती रमशीला साहू और पूर्व विधायक श्री लाभचंद बाफना सहित अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बनाने अग्रसर हो रहा छत्तीसगढ़

■ जापान के ओसाका वर्ल्ड एक्सपो का सीएम साय को मिला आमंत्रण

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ अब वैश्विक मंच पर अपनी नई पहचान बनाने की ओर अग्रसर है। जापान के ओसाका में 13 अप्रैल से 13 अक्टूबर 2025 तक होने वाले वर्ल्ड एक्सपो 2025 में प्रदेश अपनी सांस्कृतिक धरोहर और औद्योगिक प्रगति का प्रदर्शन करेगा। इस प्रतिष्ठित आयोजन के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को विशेष आमंत्रण मिला है। एक्सपो का मुख्य विषय डिज़ाइनिंग फ्यूचर सोसाइटी फार अवर लाइव्स रखा गया है, जबकि इसके उप-विषय हैं-सेविंग लाइव्स, एम्पावरिंग लाइव्स और कनेक्टिंग लाइव्स। मुख्यमंत्री ने कहा, इस भागीदारी से न सिर्फ छत्तीसगढ़ की संस्कृति और तकनीकी प्रगति को वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी, बल्कि राज्य को एक निवेश-अनुकूल केंद्र के रूप में भी मजबूती से स्थापित किया जाएगा। ओसाका एक्सपो को नवाचार और सतत विकास पर वैश्विक संवाद का प्रमुख मंच माना जाता है। इस बार इसमें 160 से अधिक देश और नौ अंतरराष्ट्रीय संगठन शामिल हो रहे हैं। भारत का पैवेलियन भारत मंडप होगा, जहां योग, भरतनाट्यम, बालीवुड फिल्मों की स्क्रीनिंग और चंद्रयान ज़ोन जैसे आकर्षण होंगे। छत्तीसगढ़ पहले ही अपनी ढोकरा कला से विदेशी दर्शकों का मन मोह चुका है। ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) पहल के तहत इस कला को विशेष पहचान मिली है। अब प्रदेश ओसाका के युमेशिमा आइलैंड स्थित विशाल एक्सपो स्थल पर अपना स्टॉल लगाएगा। यहां छत्तीसगढ़ अपनी धरोहर के साथ इस्पात उद्योग और आधुनिक विकास को भी प्रस्तुत करेगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा, यह अवसर छत्तीसगढ़ को विश्व औद्योगिक मानचित्र पर एक उभरते निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करेगा।

बस्तर में खुरहा चपका रोग का प्रकोप, 30 गायें बीमार

रायपुर। दंतेवाड़ा जिले में पशु चिकित्सा विभाग की लापरवाही एक बार फिर उजागर हुई है। गीदम के रमाकांत शुक्ला की डेयरी में तीस से अधिक गायें खुरहा-चपका (एफएमडी) बीमारी की चपेट में आ गई हैं। प्रभावित गायों के खुरों में घाव और पैरों में सूजन, वहीं मसूड़ों व जीभ पर दाने उभरने लगे हैं। पशु पालकों का कहना है कि विभाग हर साल दो बार खुरहा-चपका सहित अन्य बीमारियों का टीकाकरण करता है, इसके बावजूद बीमारी का प्रकोप दिखना दवाओं की गुणवत्ता और उनकी प्रभावशीलता पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। संचालकों का आरोप है कि उपचार के नाम पर विभाग केवल खानापूर्ति कर रहा है। गौरतलब है कि दो वर्ष पूर्व सिद्धि विनायक डेयरी गीदम में इसी तरह की लापरवाही के कारण दर्जनों गायों की मौत हो गई थी।

गरीब हितग्राहियों की परेशानी से सरकार अनजान बने बैठा

जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करने वालों के सरकार में भ्रष्टाचार का आलम

रायपुर। संवाददाता

पूर्व संसदीय सचिव छ.ग. शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की साय सरकार पीएम आवास हितग्राहियों को आवास की दूसरी किश्त नहीं दे पा रही है। वहीं, पहले से जिनके पक्के मकान है उन्हें आवास हितग्राही बनाकर भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में 18 लाख आवास स्वीकृत करने का श्रेय लेने वाली भाजपा की सरकार हितग्राहियों को पहली किस्त देकर 5-6 माह बाद भी दूसरी व तीसरी किस्त देना भूल गयी है। प्रदेश के हजारों हितग्राहियों को पहली किस्त मिलने के बाद दूसरी किस्त नहीं दिया जा रहा। कई

हितग्राही कर्ज लेकर मकान का निर्माण शुरू किये हैं। उन्हें उम्मीद है कि दूसरी किस्त जल्द आएगी और वे काम आगे बढ़ाएंगे। पहली किस्त मिलने के बाद लाभार्थियों ने काम शुरू कर दिया था। दूसरी किस्त में देरी से न केवल उनके सपनों का मकान अधूरा रह गया है बल्कि, आर्थिक संकट भी गहरा गया है। गरीब हितग्राहियों की परेशानी से सरकार अनजान बने बैठा है। जबकि, 10-15 हजार रु. लेकर पक्के मकान मालिकों को पुन: आवास हितग्राही बनाया जा रहा है। इससे पात्र हितग्राही तो वंचित होंगे ही साथ ही अपात्र व्यक्ति अधिकारी-कर्मचारी को भेंट चढ़ाकर अनुचित लाभ ले रहे हैं। पूर्व संसदीय सचिव ने कहा कि पूर्ववर्ती भूपेश सरकार ने प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनते ही प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत छह लाख 99 हजार 439 आवासों की मंजूरी दी थी। साथ ही सामाजिक, आर्थिक एवं जातिगत जनगणना वर्ष-2011 की सर्वे सूची में शामिल होने से वंचित ऐसे परिवार जो आवासहीन थे, उन्हें राज्य सरकार ने अपने मद से आवास उपलब्ध कराया था।

मांझी-चालकियों ने रखी दशहरा रथ में राज परिवार को रथारूढ़ करने की मांग

रायपुर/ संवाददाता

बस्तर दशहरा समिति की बैठक 17 अगस्त को जिला कार्यालय के प्रेरणा कक्ष में आयोजित की गई। बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष एवं सांसद, कलेक्टर बस्तर और मांझी, चालकी, मेम्बर, मेम्बरिन और पुजारी के साथ गणमान्य नागरिको की उपस्थित में बस्तर दशहरा पर्व के नए उपाध्यक्ष का चुनाव किया गया। बलराम मांझी को सर्वाधिक मांझी की-चालकियों का समर्थन मिलने पर उपाध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर सभी मांझी, चालकी, मेम्बर और मेम्बरिन द्वारा बस्तर दशहरा पर्व के दौरान माता के छत्र के साथ प्रधान पुजारी के साथ बस्तर के माटी पुजारी राज परिवार सदस्य कमलचंद भंजदेवव को भी रथारूढ़ करने की लिखित मांग की है। कोंडागांव जिले के शामपुर परगना के मालगांव निवासी चलकी चिमरुराम ने बताया कि बस्तर दशहरा पर्व मा दंतेश्वरी और राज परिवार से जुड़ा है। राज परिवार बस्तर के माटी पुजारी है।माता के छत्र के रथारूढ़ होने का अधिकार है। कमलचंद भंजदेव विवाह नहीं हुआ था इसलिए रथ पर नहीं चढ़ सकता था। अब विवाह हो गया है इसलिए हम लोगों ने रथारूढ़ करने की मांग रखी है। इस पर बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष एवं सांसद ने प्रशासन के समक्ष बात रखने की बात कही है। इस दौरान माटी पुजारी कमलचंद भंजदेव व ने कहा कि दशहरा में क्षेत्र के देवी-देवताओं और विभिन्न समुदायों की भागीदारी का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने इस पर्व में विशेष भूमिका निभाने वाले मांझी, चालकी, सेवादारों की रिक्त पदों भर्ती सभी करवाने की पहल करने की मांग की। साथ ही देवी देवताओं का आश्रय स्थल की व्यवस्था पर आवश्यक व्यवस्था करने के लिए कहा। इस अवसर पर मांझी-चालाकियों ने भी बस्तर दशहरा की सभी परंपराओं के नियमानुसार पालन तथा इसके सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित आयोजन के लिए सुझाव दिए। महापौर संजय पांडेय ने कहा कि बस्तर दशहरा हमारे शहर की सांस्कृतिक विरासत है। इसे देखने देश दुनिया के पर्यटक आते हैं, पर्यटकों को अतिथि देवों भव: के रूप में स्वागत के लिए जगदलपुर तैयार है । बैठक में कलेक्टर हरिस एस ने कहा कि इस वर्ष भी भव्य रूप से दशहरा को मनाया जाएगा । दशहरा समिति के सचिव एवं तहसीलदार रुपेश मरकाम द्वारा बस्तर दशहरा महोत्सव की प्रमुख तिथियों और विधानों की जानकारी दी गई ।

टी संवर्ग के प्राचार्यों की पोस्टिंग प्रक्रिया शुरू, 20 से 23 अगस्त तक होगी काउंसलिंग

रायपुर। शिक्षा विभाग ने लंबे इंतजार के बाद टी संवर्ग के पदोन्नत प्राचार्यों की पोस्टिंग प्रक्रिया शुरू कर दी है। विभाग द्वारा इस बार पोस्टिंग काउंसलिंग के माध्यम से की जा रही है, जिसके लिए 20 अगस्त से 23 अगस्त तक शंकरनगर स्थित शिक्षा महाविद्यालय में काउंसलिंग का आयोजन किया जाएगा। टी संवर्ग में कुल 1335 प्राचार्य पदोन्नत हुए हैं, लेकिन इनमें से सिर्फ 844 प्राचार्यों को ही काउंसलिंग प्रक्रिया में शामिल किया गया है। इस निर्णय को लेकर सवाल उठ रहे हैं, पर विभाग का कहना है कि जो प्राचार्य पहले से प्रभारी के रूप में कार्यरत हैं और उनसे वरिष्ठ कोई अन्य नहीं है, उन्हें उसी संस्था में स्थायी रूप से पदस्थ किया जाएगा। ऐसे लगभग 400 प्राचार्य बताए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त 70 से अधिक प्राचार्य जुलाई में सेवानिवृत्त हो चुके हैं और कुछ अगस्त में रिटायर होने वाले हैं। काउंसलिंग प्रक्रिया को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए हर दिन दो पालियों में 150-150 प्राचार्यों को बुलाया जाएगा। पहले एक साल से कम सेवा शेष वाले शिक्षकों को वरिष्ठता के आधार पर प्राथमिकता दी जाएगी, इसके बाद दिव्यांगजनों, फिर महिलाओं और अंत में पुरुषों को वरिष्ठता क्रम में संस्था चयन का अवसर मिलेगा।

ईश्वर प्रसाद नायक को भारी भरकम बिजली बिल से मिली मुक्ति

रायपुर। संवाददाता

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना रायगढ़ जिले के लोहरसिंह गांव के ईश्वर प्रसाद नायक के लिए वरदान साबित हुई है। कभी बिजली के भारी-भरकम बिलों से परेशान रहने वाले ईश्वर प्रसाद ने इस योजना को अपनाकर न सिर्फ अपनी समस्या को हल किया है, बल्कि आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक नई मिसाल भी पेश की है। ईश्वर प्रसाद नायक ने अपने घर की छत पर 3 किलोवॉटका रूफटॉप सोलर प्लांट लगवाया। इस कदम ने उनके जीवन को पूरी तरह से बदल दिया। जहां पहले बिजली का बिल उनके मासिक बजट का एक बड़ा हिस्सा हुआ करता था, वहीं अब उनकी कहानी पूरी तरह से अलग है। अप्रैल 2025 में उनके सोलर प्लांट ने 267 यूनिट बिजली पैदा की, जिससे उन्हें बिल में 577 रुपए की छूट मिली और उन्हें केवल 50 रुपए का भुगतान करना पड़ा। मई 2025 में तो यह बदलाव और भी शानदार रहा। उनके सोलर प्लांट ने 362 यूनिट बिजली उत्पन्न की, जिससे उन्हें 950 रुपए की पूरी छूट मिली और उनका बिजली बिल शून्य हो गया। श्री नायक का मानना है कि यह योजना सिर्फ पैसे बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने उन्हें मानसिक रूप से भी चिंतामुक्त कर दिया है। अब उनका घर आर्थिक रूप से मजबूत हुआ है और वे पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं। पीएम सूर्य घर योजना के तहत सरकार द्वारा उपभोक्ताओं को महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता दी जाती है, जिससे सौर ऊर्जा प्लांट लगाना काफी सस्ता हो जाता है। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 1 किलोवॉट क्षमता का प्लांट से हर महीने औसतन 120 यूनिट बिजली बनती है। इस पर केंद्र से 30,000 रुपए और राज्य से 15,000 रुपए की सब्सिडी मिलती है, यानी कुल 45,000 रुपए की सहायता प्रदान की जाती हैं। 2 किलोवॉट क्षमता का प्लांट से हर महीने औसतन 240 यूनिट बिजली बनती है। इस पर कुल 90,000 रुपए की सब्सिडी (केंद्र से 60,000 + राज्य से 30,000 रुपए) मिलती है। 3 किलोवॉट क्षमता का प्लांट से हर महीने औसतन 360 यूनिट बिजली बनती है। इस पर कुल 1,08,000 रुपए की सब्सिडी (केंद्र से 78,000 + राज्य से 30,000 रुपए) मिलती है। इस पर ऋण की सुविधा भी उपलब्ध है। आवेदन प्रक्रिया और अधिक जानकारी इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन है। उपभोक्ता स्वयं पोर्टल पर लॉग इन करके या पीएम सूर्य घर मोबाइल ऐप, सीएसपीडीसीएल की वेबसाइट, मोर बिजली ऐप और टोल फ्री नंबर 1912 पर कॉल करके आवेदन कर सकते हैं।

सतर्कता की शुरुआत स्वयं से होती है-पी. दयानन्द

मुख्यमंत्री के सचिव दयानंद के करकमलों से एसईसीएल में तीन माह के निवारक सतर्कता अभियान का शुभारंभ

■ सीएमडी एसईसीएल श्री हरीश दुहन ने केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिशानिर्देशों का पूर्ण रूप से पालन करने का किया आह्वान

रायपुर/ संवाददाता

एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर में केंद्रीय सतर्कता आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार तीन माह के निवारक सतर्कता अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी. दयानन्द उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसईसीएल सीएमडी श्री हरीश दुहन ने की। इस अवसर पर श्री सुनील जैन, आयुक्त, बिलासपुर संभाग; एसईसीएल निदेशक (तकनीकी ङ्क संचालन सह योजना/परियोजना) श्री एन. फ्रैंकलिन जयकुमार; निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन की विशिष्ट उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। इसके पश्चात् अतिथियों द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। तत्पश्चात् कोल इंडिया कॉर्पोरेट गीत प्रस्तुत किया गया। इसके उपरांत सीएमडी एसईसीएल श्री हरीश दुहन ने सभी उपस्थितों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। मुख्य अतिथि श्री पी. दयानन्द ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र में चाहे पीएसयू हों या राज्य शासन, पारदर्शिता अत्यंत आवश्यक है। इस प्रकार के आयोजन निश्चित रूप से सतर्कता एवं पारदर्शी कार्यसंस्कृति को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और राज्य शासन दोनों ही एक-दूसरे के पूरक हैं तथा क्षेत्र के विकास के लिए दोनों के बीच परस्पर सहयोग एवं समन्वय अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एसईसीएल सीएमडी श्री हरीश दुहन ने कहा कि मैं टीम एसईसीएल के प्रत्येक सदस्य से यह आह्वान करना चाहता हूँ कि हम जो भी कार्य करें, नियम एवं नीति के दायरे में रहकर पूरी ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के साथ करें। राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि एसईसीएल को अपने कार्यसंचालन को बेहतर बनाने के लिए राज्य शासन से निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग प्राप्त होता रहता है।

संपादकीय

चुनौतियां नई, संकल्प वही

आजादी की 79वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाल किले से दिया गया भाषण अगर याद रखे जाने लायक कहा जाएगा तो सिर्फ इसलिए नहीं कि यह उनका अब तक का सबसे लंबा भाषण रहा या लाल किले के प्राचीर से उन्होंने लगातार बारहवीं बार राष्ट्र को संबोधित किया, जिसका मौका पंडित जवाहरलाल नेहरू के अलावा किसी और प्रधानमंत्री को नहीं मिला। जिन हालात में और जिन चुनौतियों के बीच पीएम मोदी ने राष्ट्र को संबोधित किया, वे भी इस भाषण को अहम बना रहे थे।आज अमेरिका टैरिफ वॉर के जरिये अपना प्रभुत्व जमाने की कोशिश कर रहा है, जबकि चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स को हथियार बनाया हुआ है। इन सबके बीच भारत को तरक्की जारी रखने के लिए रास्ता तलाशना ही होगा। स्वाभाविक ही प्रधानमंत्री ने 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पर खासा जोर दिया। उन्होंने क्रिटिकल अर्थ मिनरल्स, तेल और गैस, सेमीकंडक्टर से लेकर हथियारों तक में आत्मनिर्भरता की बात की। दुनिया जिस तरह से बदल रही है, उसमें यह जरूरी भी है कि दूसरों पर निर्भरता कम करने पर ध्यान दिया जाए।अभी देश की जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का योगदान केवल 12 प्रतिशत है और ग्लोबल सप्लाई में केवल 2.8 प्रतिशत। इसकी तुलना में चीन दुनिया के लिए 28.8 प्रतिशत सामान बना रहा है। इस साल अप्रैल में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि सरकार अगले दो दशकों में मैन्युफैक्चरिंग को डीजीपी के 23 प्रतिशत के बराबर करना चाहती है। सरकार ने जो लक्ष्य तय किया है, वह नामुमकिन बिल्कुल नहीं है। ऑटो इक्विपमेंट, इलेक्ट्रॉनिक्स, खासतौर पर आईफोन का उदाहरण बताता है कि भारत में वैश्विक जरूरतों को पूरा करने की क्षमता है। एपल करीब 20 प्रतिशत आईफोन अब भारत में बना रही है, जबकि कभी चीन इसका केंद्र हुआ करता था। हालांकि पीएम मोदी ने ठीक ही ध्यान दिलाया कि दुनिया गुणवत्ता की कद्र करती है और अगर ग्लोबल मार्केट में भारत की छवि को चमकाना है तो हाई क्वॉलिटी प्रॉडक्ट्स बनाने होंगे। अपने लक्ष्यों को स्पष्ट करते हुए पीएम मोदी चुनौतियों की ओर संकेत करना भी नहीं भूले। उन्होंने न केवल किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों की बात की बल्कि सिंधु जल समझौते को मौजूदा स्वरूप में स्वीकार न करने की दो टूक घोषणा भी कर दी। स्पष्ट है कि भारत किसी भी सूरत में अवांछित दबाव को स्वीकार नहीं कर सकता। लेकिन इसे लेकर भी कोई भ्रम नहीं होना चाहिए कि भारत की आत्मनिर्भरता का मतलब बाकी दुनिया से कटना नहीं है। परस्पर सम्मान और सहयोग के आधार पर तालमेल के साथ आगे बढ़ते हुए ही भारत अपनी मंजिल तय करेगा।

अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ऐसे बयानों के गैर जिम्मेदाराना रवैये को समझ सकता है। बयान में इस बात पर भी खेद जताया गया है कि ये टिप्पणी किसी तीसरे मित्र देश की धरती से की गई है। इसलिए मेरी स्पष्ट राय है कि पाकिस्तान के साथ भारत को भी वही सुलूक करना चाहिए, जैसा कि इजरायल ने पिछले महीनों में ईरान के परमाणु कार्यक्रम के साथ किया था। चूंकि मुनीर इस समय अमेरिका के दौरे पर हैं। इसलिए उनकी इस क्षुद्र बयानबाजी के पीछे अमेरिकी हाथ से इंकार नहीं किया जा सकता है। रही बात इस्लामिक देशों के शह की तो उन्हें भी उसी परमाणु बम से मिट्टी में मिलाया जा सकता है, जिसकी धमकी बार-बार इंग्लैंड-अमेरिका का 'नाजायज औलाद' पाकिस्तान अक्सर देता आया है, यह बात उन्हें भी याद रखनी चाहिए।

ईरान की तरह पाकिस्तानी परमाणु ठिकानों को भी नेस्तनाबूद करने में आगे क्यों नहीं बढ़ पा रहा है भारत?

(कमलेश पांडे)

पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने जिस तरह से खुलेआम परमाणु युद्ध की धमकी दी है, उसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। इससे भारत की यह चिंता पुष्ट होती है कि पाकिस्तान के पास एटॉमिक पावर होना पूरी दुनिया के लिए खतरा है।

अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित टाम्पा में पाकिस्तानी आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने फिर एक धमकी भरा बयान दिया है। हालांकि उस पर भारत ने पलटवार करते हुए दो टूक कह दिया है कि किसी भी न्यूक्लियर ब्लैकमेल के प्रभाव में नहीं आएंगे। दरअसल, फ्लोरिडा में पाकिस्तानी प्रवासियों को संबोधित करते हुए मुनीर ने कथित तौर पर परमाणु हमले की धमकी देते हुए कहा था कि भविष्य में भारत के साथ युद्ध में उनके देश के अस्तित्व को खतरा हो सकता है। हम एक परमाणु संपन्न राष्ट्र है। अगर हमें लगता है कि हम नीचे जा रहे है, तो हम अपने साथ आधी दुनिया को भी नीचे ले जाएंगे।

इससे स्पष्ट है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने जिस तरह से खुलेआम परमाणु युद्ध की धमकी दी है, उसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। इससे भारत की यह चिंता पुष्ट होती है कि पाकिस्तान के पास एटॉमिक पावर होना पूरी दुनिया के लिए खतरा है। इस पर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा है कि परमाणु हथियारों की धमकी देना पाकिस्तान की पुरानी रणनीति रही है। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ऐसे बयानों के गैर जिम्मेदाराना रवैये को समझ सकता है। बयान में इस बात पर भी खेद जताया गया है कि ये टिप्पणी किसी तीसरे मित्र देश की धरती से की गई है।

इसलिए मेरी स्पष्ट राय है कि पाकिस्तान के साथ भारत को भी वही सुलूक करना चाहिए, जैसा कि इजरायल ने पिछले महीनों में ईरान के परमाणु कार्यक्रम के साथ किया था। चूंकि मुनीर इस समय अमेरिका के दौरे पर हैं। इसलिए उनकी इस क्षुद्र बयानबाजी के पीछे अमेरिकी हाथ से इंकार नहीं किया जा सकता है। रही बात इस्लामिक देशों के शह की तो उन्हें भी उसी परमाणु बम से मिट्टी में मिलाया जा सकता है, जिसकी धमकी बार-बार इंग्लैंड-अमेरिका का 'नाजायज औलाद' पाकिस्तान अक्सर देता आया है, यह बात उन्हें भी याद रखनी चाहिए। ऐसा करके भारत उनका सारा सांप्रदायिक भूत उतार सकता है। दरअसल मरता क्या नहीं करता वाली बात समान रूप से भारत पर भी लागू होती है। काबिलेगौर है कि रूस-भारत की पारस्परिक समझदारी से परेशान अमेरिका की धरती से पहली बार किसी ने किसी तीसरे देश के लिए इस तरह धमकी भरे शब्दों का इस्तेमाल किया है। ऐसा इसलिए कि अंतरराष्ट्रीय जगत को युद्धोन्माद की आड़ में हथियार व गोला-बारूद का निर्यात करने वाले अमेरिका को इसमें मजा आता है। हालांकि, अब जो भारत से उसे कड़ी टक्कर मिल रही है, उससे उसके हरामखोर मंसूबे पर पानी फिरता नजर आ रहा है। चूंकि पाकिस्तान के जन्म से 9/11 तक भारत विरोधी तमाम पाकिस्तानी कार्रवाइयों का प्रोत्साहक अमेरिका ही रहा है।

लिहाजा मुनीर के बयान को भी इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए।

मसलन, पहले लक्षित पहलगाम साम्प्रदायिक आतंकी हमला, फिर ऑपरेशन सिंदूर से अमेरिकी तिलमिलाहट और अब नई धमकी का लब्बोलुआब यह है कि वियतनाम से लेकर लीबिया तक पिट चुके अमेरिका ने विगत 4 वर्षों से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध की तरह ही भारत-पाकिस्तान युद्ध और चीन-ताइवान युद्ध जैसा नया मोर्चा खोलने के सपने देख रहा है, ताकि रूस, भारत, चीन (आरआईसी) की अंतरराष्ट्रीय बर्बादी सुनिश्चित हो और अमेरिका-यूरोप की एशियाई बादशाहत बरकरार रहे।

तभी तो यह पहली बार है कि जब किसी सेना प्रमुख ने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह परमाणु हथियार भी इस्तेमाल कर सकता है। कहना न होगा कि मुनीर की बातें जितनी गैरजिम्मेदार हैं, उतनी ही चिंता बढ़ाने वाली भी। इसलिए पाकिस्तानी फन को समय रहते ही कुचल देना चाहिए और रूस-चीन का सहयोग लेकर उन तमाम अमेरिकी एशियाई अड्डों को भारत के कब्जे में कर लेना चाहिए, जिससे पाकिस्तान-बंगलादेश को अमेरिकी खाद-पानी मिलती आई है। मेरे विचार से यही दूरदर्शी रणनीति होगी। चूंकि ऑपरेशन सिंदूर जारी है, पीओके वापस नहीं मिला है, पाकिस्तानी परमाणु बमों पर अमेरिकी पहरा है, इसलिए आसेतु हिमालय में एक निर्णायक युद्ध के आगाज से नहीं हिचकना चाहिए। बल्कि इसी की आड़ में सारे छोटे छोटे पड़ोसी देशों का अस्तित्व मिटा देना चाहिए, ताकि भारत विरोधी ताकतें हमेशा अपनी औकात में रहें। यह बात मैं इसलिए कह रहा हूँ कि पाकिस्तान के सिस्टम में सेना क्या भूमिका रखती है, यह सभी को मालूम है। भले ही वहां चुनी हुई सरकार हो, लेकिन फैसले सेना प्रमुख के ही होते हैं। यह कौन नहीं जानता कि नवोदित पाकिस्तान ने 1947 में ही कबाइलियों को आगे करके भारत के मस्तक जम्मू-कश्मीर को वापस लेना चाहा, लेकिन मात खाई। फिर 1965 और 1971 में भारत के हाथों करारी चोट मिली।चाहे 1999 का पाकिस्तानी कारगिल क्षद्म युद्ध हो या फिर 2025 का भारत द्वारा शुरू किया गया आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन सिंदूर, भारत ने पाकिस्तान को जो रणनीतिक मात दी, उससे उसकी अंतरराष्ट्रीय बेइज्जती भी हुई।

इस प्रकार स्पष्ट है कि भारत विरोधी कुचक्र चलाये रखना और आतंकवादियों को सहयोग देते रहना पाकिस्तान की पॉलिसी की तरह है। इसलिए हमें उसकी परमाणु युद्ध की धमकी से डरना नहीं चाहिए, बल्कि इजरायल की तरह ही ऐसा निर्णायक सैन्य ऑपरेशन चलाना चाहिए कि भारत अपना पुराना पाकिस्तानी भूभाग भी वापस ले ले और उसे उनकी नियति के अनुरूप भारतीय सैन्य शासन के तहत ही हमेशा रखे। ग्रेटर इंडिया के हित में ऐसा किया जाता बहुत जरूरी है। बदलते वक्त की मांग है। यह ठीक है कि भारत ने परमाणु बम मामले में नो फर्स्ट यूज की नीति अपना रखी है यानी वह परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करेगा। वहीं, किसी गैर परमाणु शक्ति देश के खिलाफ भी एटमी पावर नहीं दिखाई जाएगी। लेकिन, पाकिस्तान ऐसी किसी नीति से नहीं बंधा हुआ नहीं है जो हम सबके लिए फिक्र की बात है। जबकि मुनीर का मूर्खतापूर्ण अंदाज है कि हम अपने साथ आधी दुनिया को भी ले डूबेंगे। स्पष्ट है कि यह सबकुछ पाकिस्तान के असुरक्षित एटॉमिक डॉक्ट्रिन का नमूना है। इसलिए एहतियाती सावधानी बरतने में कोई कोर-कसर भी नहीं छोड़ना चाहिए।

सच कहूं तो पाक सेनाध्यक्ष मुनीर का बयान उकसाने वाला और शांति की जारी कोशिशों के खिलाफ है। क्योंकि उनके कथित बाप अमेरिका को यही पसंद है। यह घोर अंतरराष्ट्रीय विडंबना है कि उन्होंने इन बातों के लिए उस जगह को चुना, जिसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आधा दर्जन युद्ध रुकवाने का फर्जी दावा कर रहे हैं और जिनके लिए शांति का नोबेल मांगने वालों में पाकिस्तान भी है। दूसरी बार अमेरिकी राष्ट्रपति बनते ही उन्होंने नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली जैसा किसी भी युद्ध में अमेरिका के शामिल नहीं होने का जो दावा किया था, उसकी अब पोल खुल रही है। मेरा मानना है कि उनका मकसद है अब अमेरिका सीधे युद्ध नहीं करेगा, बल्कि करवाने में हरसंभव सहयोग करेगा, जैसा कि यूक्रेनी खनिज संपदा हथियाने के लिए वह वहां कर रहा है। ऐसा ही अन्य देशों में भी वह करेगा।

चूंकि अब उनकी नजर पाकिस्तान के बलूचिस्तान स्थित बेशकीमती खनिज संपदा पर है, इसलिए अब उसे भारत के खिलाफ उकसा रहे हैं। उन्हें यह भी पता है कि पाकिस्तान अब चीन के शरणागत है। इसलिए उन्हें उम्मीद है कि पाकिस्तान से रिश्ते सुधरते ही चीन के साथ उनके पुराने रिश्ते सुधर जाएंगे। इससे उन्हें भारत-रूस की कूटनीतिक लगाम कसने में सुविधा होगी। इसलिए अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि यह आम बात नहीं हो सकती कि मुनीर दो महीने के भीतर दूसरी बार अमेरिका की यात्रा पर हैं। इन दो महीनों के दौरान दोनों देशों के रिश्तों में काफी बदलाव आया है, क्योंकि ट्रंप को अब इस्लामाबाद के रूप में एक प्रमुख क्षेत्रीय सहयोगी दिख रहा है। यह कड़वा सच है कि पाकिस्तान को पुनः मजबूत करके भारत पर पुनः हमला करवाने के लिए ही तो ट्रंप ने सीज फायर करवाया था, जैसा कि वो दावे पर दावे करते आये हैं। इसलिए अब पाकिस्तान के साथ साथ अंतरराष्ट्रीय खलनायक अमेरिका का भी माकूल इलाज सुनिश्चित करवाने का समय आ गया है।

आजादी के 78 वर्षों में कितने बदले लोकतंत्र के हालात?

(योगेश कुमार गोयल)

ऐसे बदरंग हालातों में यह सवाल रह-रहकर सिर उठाने लगता है कि आखिर कैसी है ये आजादी? आखिर आजादी का अर्थ क्या है? इस प्रश्न का उत्तर तब तक नहीं दिया जा सकता, जब तक कि यह न जान लिया जाए कि स्वतंत्र होना आखिर कहते किसे हैं?

प्रत्येक भारतवासी के लिए 15 अगस्त का दिन गौरव का दिन है क्योंकि इसी दिन भारत को अंग्रेजों की दासता से मुक्ति मिली थी। हालांकि स्वतंत्रता दिवस को लेकर आज भी देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में वही जज्बा और उत्साह समाहित है लेकिन जब हर वर्ष स्वतंत्रता के प्रतीक तिरंगे के नीचे खड़े होकर बहुत सारे ऐसे जनप्रतिनिधियों को देश की रक्षा व प्रगति का संकल्प लेते देखते हैं, जो वर्षभर सरेआम लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाते देखे जाते हैं तो मन में यही सवाल उठता है कि आखिर ऐसी संकल्प अदायगी से देश को हासिल क्या होता है? देश को आजाद हुए सात दशक से अधिक हो चुके हैं लेकिन आजादी के इन 78 वर्षों में लोकतंत्र के पवित्र स्थल संसद और विधानसभाओं के हालात किस कदर बदले हैं, वह किसी से छिपा नहीं है, जहां अभद्रता की सीमा पार करते जनप्रतिनिधि गाली-गलौच, उठापटक से लेकर कुर्ता-फाड़ राजनीति तक उतर आते हैं। विधानसभाओं की तो क्या बात करें, जब संसद की कार्यवाही ही कभी विपक्ष और कभी स्वयं सत्ता पक्ष द्वारा ही कई-कई दिनों तक लगातार नहीं चलने दी जाए तो राष्ट्र के लिए इससे ज्यादा चिंतनीय स्थिति और क्या हो सकती है? संसद में होने वाले ऐसे हंगामों के कारण प्रति मिनट आम आदमी के करीब ढ़ाई लाख रुपये बर्बाद होते हैं यानी हर एक घंटे में करीब डेढ़ करोड़ रुपये खर्च होते हैं। अब चूंकि संसद की कार्यवाही प्रतिदिन 6 घंटे चलनी होती है, ऐसे में संसद के दोनों सदनों में दोनों पक्षों के विरोध, हो-हल्ले और शोर के कारण जनता के खून-पसीने की कमाई के प्रतिदिन करीब 9 करोड़ रुपये से अधिक बर्बाद हो जाते हैं।

गंभीर चिंतन का विषय है कि वर्षों की गुलामी के बाद मिली आजादी को आज हम जिस रूप में संजोकर रख पाए हैं, वह 78 वर्षों में ही कितना विकृत हो चुका है। आजादी के दीवानों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि जिस देश को आजाद कराने के लिए वे इतनी कुर्बानियां दे रहे हैं, वहां कुछ दशकों में ही आजादी की तस्वीर ऐसी हो जाएगी। हालांकि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश ने विकास के मार्ग पर तेजी से कदम बढ़ाए और विकास के अनेक सोपान तय किए हैं। तकनीकी कौशल हासिल करते हुए देश अंतरिक्ष तक जा पहुंचा है और चांद पर भी तिरंगा लहरा दिया है। लेकिन महिलाओं से दुर्व्यवहार की लगातार बढ़ती घटनाएं और समाज में अपराधों की बढ़ती सीमा को देख बुजुर्ग तो अब कहने लगे हैं कि गुलामी के दिन तो आज की आजादी से कहीं बेहतर थे, जहां अपराधों को लेकर मन में भय तो व्याप्त रहता था किन्तु कड़े कानून बना दिए जाने के बावजूद अपराधियों के मन में अब किसी तरह का भय नहीं दिखता। 'सैयां भये कोतवाल तो डर काहे का' कहावत हर कहीं चरितार्थ हो चली है। देश के कोने-कोने से सामने आते अबोध बच्चियों और महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों के बढ़ते मामले आजादी की बेहद शर्मनाक तस्वीर पेश कर रहे हैं। कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ जिस तरह की दरिंदगी की गई है, ऐसे मामलों को देखते हुए और क्या कहा जाए? देश में महंगाई सुरसा की तरह बढ़ रही है, आतंकवाद की घटनाएं पग पसार रही हैं, आरक्षण की आग रह-रहकर देश को जलाती रहती है। इस तरह के हालात निश्चित तौर पर देश के विकास के मार्ग में बाधक बनते हैं। हर कोई सत्ता के इर्द-गिर्द राजनीतिक रोटियां सेंकता नजर आ रहा है, कोई सत्ता बचाने में लगा है तो कोई गिराने में। संसद और विधानसभाओं में हंगामे आए दिन की बात हो गई है। आजादी के बाद सामाजिक और आर्थिक पहलू पर देश में कमजोर तबके का स्तर सुधारने की नीयत से लागू आरक्षण के राजनीतिक रूप ने देश को आज उस चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां समूचा देश रह-रहकर जातीय संघर्ष के बीच उलझता दिखाई देता है। स्वार्थपूर्ण राजनीति ने माहौल को इस कदर विकृत कर दिया है, जहां से निकल पाना संभव ही नहीं दिखता। राजस्थान हो या उत्तर प्रदेश, हरियाणा हो या गुजरात अथवा महाराष्ट्र, आरक्षण के नाम पर उठते विध्वंसक आन्दोलनों की आग में से जब-तब बुरी तरह झुलसते रहे हैं और हर कोई इस तरह के परिवेश का राजनीतिक लाभ लेने की कवायद में जुटा नजर आता है। आजादी के बाद के इन करीब साढ़े सात दशकों में भ्रष्टाचार और अपराध इस कदर बढ़ गए हैं कि आम आदमी का जीना दूभर हो गया है। बगैर लेन-देन के प्रायः कोई कार्य सम्पन्न नहीं होता। बड़े नेता की तो कौन कहे, छुटभैया नेताओं की भी चांदी हो चली है। आजादी के बाद लोकतंत्र के इस बदलते स्वरूप ने आजादी की मूल भावना को बुरी तरह तहस-नहस कर डाला है। यह आजादी का एक शर्मनाक पहलू ही है कि गिने-चुने मामलों को छोड़कर हत्या, भ्रष्टाचार, बलात्कार जैसे संगीन अपराधों से विभूषित जनप्रतिनिधि अक्सर सम्मानित जिंदगी जीते रहते हैं। देश के ये बदले हालात आजादी के कौनसे स्वरूप को उजागर कर रहे हैं, विचारणीय है। ऐसे बदरंग हालातों में यह सवाल रह-रहकर सिर उठाने लगता है कि आखिर कैसी है ये आजादी? आखिर आजादी का अर्थ क्या है? इस प्रश्न का उत्तर तब तक नहीं दिया जा सकता, जब तक कि यह न जान लिया जाए कि स्वतंत्र होना आखिर कहते किसे हैं? देश को? व्यक्ति को? समाज को? यह जानना भी जरूरी है कि क्या कुछ बुनियादी मानवाधिकारों से वंचित व्यक्ति, समाज या देश को स्वतंत्र कहा जा सकता है?

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वतंत्रता आंदोलन

संघ के स्वयंसेवक भी इसी भाव के साथ प्रतिज्ञाबद्ध होते हैं कि वह जो प्रतिज्ञा ले रहे हैं, उसको पूर्ण करने में अपना सर्वस्व देंगे और प्रतिज्ञा को आजन्म निभाएंगे। मार्च 1928 में नागपुर के निकट एक पहाड़ी पर स्वयंसेवकों को एकत्र करके, भगवाध्वज के समक्ष प्रतिज्ञा का पहला कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया था। देश की पूर्ण स्वतंत्रता एवं विकास के लिए स्वयंसेवकों को वीरव्रती बनाने के निमित्त आयोजित इस प्रथम कार्यक्रम में 99 स्वयंसेवकों ने प्रतिज्ञा की थी। इस अवसर पर डॉ. हेडगेवार ने संघ के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए जो भाषण दिया, वह स्वतंत्रता प्राप्ति की संघ की आकांक्षा को स्पष्टतौर पर व्यक्त करता है।

(लोकेन्द्र सिंह राजपूत)

संघ के स्वयंसेवकों ने 1942 के 'अंग्रेजो, भारत छोड़ो' आंदोलन में भी सहभागिता की। 8 अगस्त, 1942 को मुंबई के गोवलिया टैंक मैदान पर कांग्रेस अधिवेशन में महात्मा गांधीजी ने आंदोलन की घोषणा की। दूसरे दिन से ही देशभर में आंदोलन प्रारंभ हो गया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक के बारे में अज्ञानता से घिरे लोग अकसर यह प्रश्न पूछते हैं कि स्वतंत्रता आंदोलन में संघ की क्या भूमिका रही है? कुछ लोग इससे भी आगे बढ़ जाते हैं और पूछते हैं कि संघ के किसी एक कार्यकर्ता का नाम ही बता दीजिए, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया हो? संघ की स्थापना जिन्होंने की, वे डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार स्वयं ही जन्मजात देशभक्त थे। डॉ. हेडगेवार क्रांतिकारी भी रहे, कांग्रेस में रहकर राजनीतिक संघर्ष किया और जेल भी गए। बाद में, देश की सर्वांग स्वतंत्रता और स्वतंत्रता को स्थायी बनाने के उद्देश्य से उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। डॉ. हेडगेवार अकेले नहीं हैं, अपितु स्वतंत्रता आंदोलन में हिस्सा लेनेवाले संघ के ज्ञात-अज्ञात कार्यकर्ताओं की लंबी शृंखला है। जो संगठन अपने कार्यकर्ताओं को यह शपथ दिलाता हो कि 'मैं हिन्दूराष्ट्र को स्वतंत्र कराने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का घटक बना हूँ', उसने कितने ही लोगों के मन में स्वतंत्रता प्राप्ति का भाव भरा होगा, उसकी सहज कल्पना की जा सकती है।

भारत में प्रतिज्ञा का बहुत महत्व है। हमें भीष्म प्रतिज्ञा का स्मरण है। राजा हरिशचंद्र की सत्य बोलने की प्रतिज्ञा ध्यान है। मुगलिया सल्तनत के अत्याचार के विरुद्ध महाराण प्रताप की प्रतिज्ञा को कौन भूल सकता है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने शिव को साक्षी मानकर प्रतिज्ञा करके 'स्वराज्य' की नींव रखी, जिसे साकार करने में संपूर्ण समाज प्राणपण से जुट गया। संघ के स्वयंसेवक भी इसी भाव के साथ प्रतिज्ञाबद्ध होते हैं कि वह जो प्रतिज्ञा ले रहे हैं, उसको पूर्ण करने में अपना सर्वस्व देंगे और प्रतिज्ञा को आजन्म निभाएंगे। मार्च 1928 में नागपुर के निकट एक पहाड़ी पर स्वयंसेवकों को एकत्र करके, भगवाध्वज के समक्ष प्रतिज्ञा का पहला कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया था। देश की पूर्ण स्वतंत्रता एवं विकास के लिए स्वयंसेवकों को वीरव्रती बनाने के निमित्त आयोजित इस प्रथम कार्यक्रम में 99 स्वयंसेवकों ने प्रतिज्ञा की थी। इस अवसर पर डॉ. हेडगेवार ने संघ के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए जो भाषण दिया, वह स्वतंत्रता प्राप्ति की संघ की आकांक्षा को स्पष्टतौर पर व्यक्त करता है। उन्होंने कहा- 'हमारा उद्देश्य हिन्दू राष्ट्र की पूर्ण स्वाधीनता है। संघ का निर्माण इसी महान लक्ष्य के लिए हुआ है'। इस स्पष्ट अभिव्यक्ति के बाद कहने के लिए कुछ और भी बचता है क्या? यह भी समझना होगा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता अपनी नित्य प्रार्थना में कहते हैं कि इस राष्ट्र को परम वैभव पर लेकर जाना है। क्या कोई पराधीन राष्ट्र परम वैभव पर जा सकता है? स्पष्ट है कि भारत की स्वतंत्रता का लक्ष्य संघ की स्थापना में निहित था। डॉक्टर साहब ने 1929 में वर्धा में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग में भी स्वयंसेवकों एवं नागरिकों की एक सभा में प्रखरता के साथ कहा- 'ब्रिटेन की सरकार ने अनेक बार भारत को स्वतंत्र करने का आश्वासन दिया है, परंतु वह झूठा साबित हुआ। अब यह साफ हो गया कि भारत अपने बल पर स्वतंत्रता प्राप्त करेगा'। याद रहे कि डॉ. हेडगेवार ने महात्मा गांधी के आह्वान पर 'नमक सत्याग्रह' में शामिल होकर विदर्भ प्रांत में 1930 में 'जंगल सत्याग्रह' किया। इस आंदोलन में उनके साथ अनेक प्रमुख स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। सत्याग्रहियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया और जेल भेज दिया। डॉक्टर साहब को नौ माह का कठोर कारावास दिया गया। इससे पूर्व 1921 के आंदोलन में भी डॉक्टर साहब को जेल की सजा हुई थी। महात्मा गांधी के सविनय अवज्ञा आंदोलन को मध्यभारत

में सफल बनाने के लिए स्वयंसेवकों ने अथक प्रयास किया। संघ के सरकार्यवाह जीएम हुद्दार, नागपुर के संघचालक अप्पा साहेब हलदे, सिरपुर के संघचालक बाबूराव वैद्य, संघ के सरसेनापति मार्तंडराव जोग के साथ संघ के अन्य प्रमुख कार्यकर्ताओं के आंदोलन में शामिल होने के कारण चार-चार माह का कारावास मिला। अपनी स्थापना के कई वर्षों बाद कांग्रेस को जनमानस के दबाव के कारण 31 दिसंबर, 1929 को लाहौर में रावी के तट पर पहली बार 'पूर्ण स्वराज्य' का प्रस्ताव पारित करना पड़ा। याद रहे कि डॉ. हेडगेवार ने 1920 में नागपुर में आयोजित कांग्रेस अधिवेशन में ही पूर्ण स्वराज्य का प्रस्ताव पारित कराने का प्रयास किया था। उन्होंने कांग्रेस की प्रस्ताव समिति के सामने सुझाव रखा था कि कांग्रेस का उद्देश्य भारत को पूर्ण स्वतंत्र कर भारतीय गणतंत्र की स्थापना करना और विश्व को पूंजीवाद के चंगुल से मुक्त करना होना चाहिए। बहरहाल, सम्पूर्ण स्वतंत्रता का उनका सुझाव कांग्रेस ने 9 वर्ष बाद 1929 के लाहौर अधिवेशन में स्वीकृत किया। कांग्रेस का यह निर्णय संघ के घोषित उद्देश्य के अनुरूप था। इसलिए इससे आनंदित होकर सरसंघचालक डॉ. हेडगेवार ने संघ की सभी शाखाओं को 26 जनवरी, 1930 को कांग्रेस का अभिनंदन करने, राष्ट्रध्वज का वंदन करने और स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए निर्देशित किया। साथ ही यह भी कहा कि शाखाओं पर भाषण करके स्वतंत्रता के वास्तविक अर्थ एवं महत्व को समझाया जाए। सरसंघचालक के निर्देशानुसार, संघ की सभी शाखाओं पर 26 जनवरी, 1930 को सायं 6 बजे स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

संघ के स्वयंसेवकों ने 1942 के 'अंग्रेजो, भारत छोड़ो' आंदोलन में भी सहभागिता की। 8 अगस्त, 1942 को मुंबई के गोवलिया टैंक मैदान पर कांग्रेस अधिवेशन में महात्मा गांधीजी ने आंदोलन की घोषणा की। दूसरे दिन से ही देशभर में आंदोलन प्रारंभ हो गया। विदर्भ में बावली (अमरावती), आष्टी (वर्धा) और चिमूर (चंद्रपुर) में हुए आंदोलनों में संघ के स्वयंसेवकों ने ही नेतृत्व किया। चिमूर के समाचार बर्लिन रेडियो पर भी प्रसारित हुए। यहां के आन्दोलन का नेतृत्व कांग्रेस के उद्धवराव कोरेकर और संघ के अधिकारी दादा नाईक, बाबूराव बेगडे, अण्णाजी सिरास ने किया। चिमूर के इस आन्दोलन में अंग्रेज की गोली से एकमात्र मृत्यु बालाजी रायपुरकर की हुई, जो संघ स्वयंसेवक थे।

संक्षिप्त समाचार

इराक में आईएसआईएस के नरसंहार का दर्दनाक सच, मोसुल के पास सामूहिक कब्र की खुदाई शुरू

मोसुल , एजेंसी। इराक में अधिकारियों ने मोसुल शहर के पास अल-ख़ाफ़सा इलाके में एक सामूहिक कब्र की खुदाई शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि यह कब्र आईएसआईएस (इस्लामिक स्टेट) आतंकियों द्वारा एक दशक पहले किए गए नरसंहार से जुड़ी हुई है। सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक, स्थानीय प्रशासन, न्यायपालिका, फॉरेंसिक टीम, शहीद फाउंडेशन और मास ग्रेव डायरेक्टोरेट मिलकर इस काम को अंजाम दे रहे हैं। इराक की शहीद फाउंडेशन के मास ग्रेव विभाग के प्रमुख अहमद क़ुसै अल-असदी ने बताया कि यह खुदाई 9 अगस्त को नीनवे प्रांत के गवर्नर अब्दुलकादिर अल-दाखिल के अनुरोध पर शुरू की गई। फिलहाल शुरुआती चरण में सतह पर दिखाई देने वाले मानव अवशेष और अन्य साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। इसके बाद पीड़ित परिवारों से डीएनए सैंपल लेकर एक डेटाबेस तैयार किया जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बाढ़ में हुई मौतों पर जताया दुख

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भारत और पाकिस्तान में हाल ही में आई अचानक बाढ़ के कारण हुई दुखद मौतों पर गहरा दुख व्यक्त किया है। गुटेरेस ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और आपदा से प्रभावित सभी लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त की। महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने रविवार को जारी एक बयान में कहा, संयुक्त राष्ट्र की टीमें आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए सरकारों के साथ हैं।

मैसाचुसेट्स ने 15 अगस्त को घोषित किया भारत दिवस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी प्रांत मैसाचुसेट्स ने 15 अगस्त को भारत दिवस घोषित किया है। इसके लिए भारतीय दूतावास ने गवर्नर माउरा टी हीलेय का आभार जताया। भारतीय दूतावास ने कहा कि इस फैसले से भारतीय-अमेरिकी सम्मानित महसूस कर रहे हैं। दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, यह सम्मान भारतीय-अमेरिकी समुदाय का सम्मान करता है और भारत तथा संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच मैत्री के बंधन को और गहरा करता है।

पाकिस्तान के मंत्री ने फिर बिना सबूत भारतीय विमानों को गिराने का किया दावा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के एक मंत्री ने फिर से बिना सबूत गत मई में दोनों देशों के बीच संघर्ष में छह भारतीय विमानों को गिराने का दावा किया है। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने 31 मई को पाकिस्तान के इस दावे को खारिज कर चुके हैं। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसीन नकवी ने रविवार को दावा किया कि इस्लामाबाद ने इस मामले में यह तय किया था कि बिना ठोस सबूत के इसके बारे में कोई औपचारिक घोषणा नहीं करेगा। नकवी ने हालांकि यह नहीं बताया कि पाकिस्तान इससे जुड़े सबूत को कब सार्वजनिक करेगा। नकवी ने यह भी हास्यास्पद दावा किया कि संघर्ष के दौरान भारतीय मिसाइलों के हमले में पाकिस्तान के किसी महत्वपूर्ण ठिकानों को नुकसान नहीं पहुंचा।

चीन में गूंजी विकसित भारत की गूंज, ग्वांगझू में भारत के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर हुई संगोष्ठी

बीजिंग, एजेंसी। भारतीय वाणिज्य दूतावास ग्वांगझू ने रविवार को चीन के तकनीकी केंद्र शेनझेन में एआई फॉर एस्पिरेशनल इंडिया (आकांक्षी भारत के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता) विषय पर संगोष्ठी आयोजित की। यह कार्यक्रम स्वतंत्रता दिवस के 79वें समारोह के तहत आयोजित किया गया। यह संगोष्ठी दक्षिण चीन में भारतीय पेशेवरों के मंच, फोरम ऑफ इंडिया प्रोफेशनल्स इन साउथ चाइना (एफआईपीएससी) के सहयोग से आयोजित की गई। इसका उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत बनाने और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नवाचारी रणनीतियों पर विचार करना था। भारतीय वाणिज्य दूत ने दी प्रस्तुती भारतीय वाणिज्य दूत शंभू हक्की ने भारत सरकार की एआई संबंधी पहलों पर प्रस्तुति दी। उन्होंने इंडिया एआई मिशन की जानकारी दी, जो सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में रणनीतिक कार्यक्रमों के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देता है। हक्की ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डबल एआई की परिकल्पना को भी विस्तार से समझाया और एफआईपीएससी सदस्यों से सस्ते एआई उपकरणों के विकास में सहयोग का आग्रह किया। एफआईपीएससी के कई सदस्यों ने एमएसएमई, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई के उपयोग पर प्रस्तुति दी।

युगांडा की संसद में एसजीवीपी प्रमुख माधव स्वामी का अभिनंदन; भारत-अफ्रीका संबंध होंगे मजबूत

कंपाला , एजेंसी। माधव स्वामी अपनी सनातन संस्कृति और हिंदू जीवनशैली को विश्व के कोने-कोने तक पहुंचाने के लिए निरंतर यात्रा करते हैं। इसी क्रम में वे अफ्रीकी महाद्वीप की यात्रा पर युगांडा पहुंचे। यह यात्रा भारत और अफ्रीका के देशों के बीच आध्यात्मिकता, शिक्षा और संस्कृति का नया सात्विक सेतु निर्मित करेगी।

युगांडा में बड़ी संख्या में गुजराती समुदाय निवास करता है। युगांडा की संसद में उपसभापति डॉ. थॉमस तैयेब्वा के विशेष निमंत्रण पर राजधानी कंपाला पहुंचे माधव स्वामी का स्वागत खुद उपसभापति डॉ. थॉमस समेत अन्य सांसदों ने किया। हार्दिक स्वागत के बाद उन्हें सम्मानित भी किया गया।

युगांडा के सांसदों और सरकार के प्रतिनिधि उपसभापति महोदय के साथ माधव स्वामी ने इस विषय पर गहन चिंतन और चर्चा की कि गुरुकुल शिक्षा पद्धति के माध्यम से आने वाली पीढ़ी को किस प्रकार और अधिक स्वाभिमानी, सशक्त और संस्कारी बनाकर समृद्ध राष्ट्र के निर्माण के लिए तैयार किया जा सकता है। उपसभापति ने माधव स्वामी को युगांडा संसद भवन का भ्रमण कराया तथा उसकी विशेषताओं से अवगत कराया। यह ऐतिहासिक यात्रा ऐसे समय में हुई है जब भगवान श्री स्वामीनारायण द्वारा लिखी गई सर्वजीव हितावह शिक्षापत्री के दो सौ वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। यह रचना समाज में मानवता के मूल्यों का बीज बोने वाली है। राजसत्ता और धर्मसत्ता की यह भेंट भारत और अफ्रीका के देशों के बीच आध्यात्मिकता, शिक्षा और संस्कृति का एक नया सात्विक सेतु स्थापित करेगी।

गाजा में तबाही मचा रही इजरायली सेना

हवाई हमले में हमास का ये बड़ा कमांडर ढ़ेर

गाजा, एजेंसी। गाजा पर इज़राइल का कब्ज़ा अब लगभग तय माना जा रहा है। हमास के खिलाफ छेड़े गए युद्ध में इज़राइली सेना लगातार आगे बढ़ रही है। इस बीच, दक्षिणी गाजा में वरिष्ठ हमास कमांडर नासिर मूसा की हत्या के बाद भी आईडीएफ अपने हमले जारी रखे हुए है। ताज़ा हमला एक स्कूल पर हुआ जहाँ विस्थापित परिवारों ने शरण ली थी। इस हमले में 37 लोग मारे गए, जिनमें कई महिलाएँ और बच्चे शामिल हैं।

गाजा की सड़कों पर सिर्फ़ मलबा और तबाही ही नज़र आ रही है। इज़राइली लड़ाकू विमानों ने राफ़ा ब्रिगेड के प्रमुख आतंकवादी नासिर मूसा को हवाई हमले में मार गिराया। मूसा हमास आतंकवादियों को प्रशिक्षण देता था और इज़राइल में कई हमलों का मास्टरमाइंड था। इसके अलावा, इज़राइली सेना ने खान यूनिस में एक इमारत को भी निशाना बनाया, जिसका इस्तेमाल हमास रॉकेट रखने के लिए करता था।

इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी सेना को गाजा पट्टी पर कब्ज़ा करने की पूरी इजाज़त दे दी है। उन्होंने कहा है कि यह युद्ध जल्द ही समाप्त हो जाएगा और बंधकों को हर कीमत पर रिहा किया जाएगा। हालाँकि, दुनिया के कई देश इस

कार्रवाई को गाजा के अंत का संकेत मान रहे हैं। वहीं, कई देशों ने इज़राइल के खिलाफ़ कदम उठाते हुए फ़िलिस्तीन राज्य को मान्यता भी दे दी है।

इस समय गाज़ा में स्थिति बेहद भयावह है। पिछले दो सालों में 61,827 फ़िलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। इसके अलावा 1,55,275 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सिर्फ़ पिछले 24 घंटों में ही 51 लोगों की जान चली गई और 369 लोग घायल हुए हैं। इज़राइली हमले का सबसे बड़ा निशाना वह स्कूल था, जहाँ विस्थापित परिवारों ने शरण ली थी। इस बमबारी के बाद परिसर में महिलाओं और बच्चों की लाशें बिखर गईं।

इज़राइल में बंधकों की रिहाई की माँग ज़ोर पकड़ती जा रही है। हज़ारों लोग पोस्टर और बैनर लेकर तेल अवीव की सड़कों पर उतर आए। सरकार से उन्हें सुरक्षित वापस लाने की अपील की। बंधक बनाए गए एक नेपाली नागरिक की बहन ने कहा, करीब दो साल बीत चुके हैं, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली है। लगातार भूखे और घायल होकर ज़िंदा रहना नामुमकिन है। कोई 680 दिन नर्क में कैसे रह सकता है? यह लोगों के लिए खरीदारी के लिए बाहर आने की छुट्टी नहीं है, एक बंधक के पिता ने कहा। यह प्रदर्शन का दिन है। यह न केवल बंधकों के परिवारों के साथ खड़े होने का एक तरीका है, बल्कि इज़राइल के नैतिक चरित्र की रक्षा करने की एक नागरिक ज़िम्मेदारी भी है। उनका कहना है कि नेतन्याहू अपने राजनीतिक फ़ायदे के लिए बंधकों की जान से खेल रहे हैं।

मैं हर शनिवार यहाँ आता हूँ, एक प्रदर्शनकारी ने कहा। सबसे पहले, हम उन परिवारों के साथ खड़े हैं जिनके प्रियजन लगभग दो साल से बंधक हैं। दूसरा, हम अपनी सरकार के ख़िलाफ़ खड़े हैं। हमें यह सरकार बहुत बुरी लगती है। हम चाहते हैं कि यह चली जाए ताकि हम फिर से एक मज़बूत इज़राइल बना सकें। गाजा में जारी युद्ध के बीच इज़राइल में ये विरोध प्रदर्शन जारी हैं। 2023 में हमास ने इज़राइल पर हमला करके 1,200 लोगों को मार डाला था। इतना ही नहीं, 250 से ज़्यादा लोगों को बंधक बना लिया गया था। अब तक आधे से ज़्यादा बंधकों को रिहा कर दिया गया है। कई लोगों की मौत हो गई है, लेकिन लगभग 20 बंधक अभी भी जीवित बताए जा रहे हैं। यही वजह है कि सड़कों पर प्रदर्शनकारियों का गुस्सा लगातार बढ़ रहा है और लोग युद्धविराम की मांग कर रहे हैं।

दावा-रूस ने अबतक 21 हजार यूक्रेनी बच्चों को किडनैप किया

इन्हें ब्रेनवॉश करके यूक्रेन के खिलाफ ही जंग लड़ने भेजा जा रहा

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की सिक्योरिटी सर्विस ने दावा किया है कि जंग शुरू होने के बाद से रूस ने अब तक 21 हजार यूक्रेनी बच्चों को किडनैप किया है। इन बच्चों को अलग-अलग ठिकानों पर रखकर उन्हें यूक्रेन के खिलाफ जंग लड़ने के लिए ब्रेनवॉश किया जा रहा है।

वहीं, येल यूनिवर्सिटी के रिसर्च ग्रुप ने पब्लिक डेटाबेस और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ऐसे 8400 से ज्यादा बच्चों की पहचान की है, जिन्हें यूक्रेन से प्लानिंग के तहत रूस भेजा गया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कुछ अरसा पहले कहा था कि हम कम से कम 11,000 बच्चों के नाम तो जानते हैं, जिन्हें जबरन रूस भेजा गया है।

स्क्रू ने ऐसी करीब 150 जगहों का पता लगाया है, जहां इन बच्चों को या तो कैम्पों में या उनके कथित दत्तक परिवारों के पास रखा गया है। कुछ बच्चों को मिलिट्री स्कूलों में भर्ती किया गया है। अब तक रूस ने सिर्फ 1200 यूक्रेनी बच्चों को ही वापस भेजा है।

संयुक्त राष्ट्र इन बच्चों की किडनैपिंग को वॉर क्राइम करार दे चुका है। वहीं नीदरलैंड्स के हेग स्थित इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट इस मामले में रूसी राष्ट्रपति पुतिन को 'वॉर क्रिमिनल' घोषित करके उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर चुका है।

बीते कुछ महीनों में ट्रम्प के साथ अपनी बातचीत में जेलेंस्की ने बार-बार गुमशुदा बच्चों का मुद्दा उठाया है। मई में अमेरिकी सीनेट के एक ग्रुप ने भी एक प्रस्ताव पेश कर कहा था कि रूस के साथ किसी भी शांति समझौते को अंतिम रूप देने से पहले सभी यूक्रेनी बच्चों की वापसी तय होनी चाहिए।

जंग शुरू होने के बाद से अब तक 50 लाख यूक्रेनी बच्चे को पलायन करना पड़ा है। इससे बच्चों के शिक्षा संबंधी और अन्य अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। इसके अलावा उन 16 लाख बच्चों को सबसे ज्यादा मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है, जो यूक्रेन के उन हिस्सों में रह रहे हैं, जिन पर अब रूस का कब्जा है।

रूस ने यूक्रेन के करीब 20त्न हिस्से, यानी लगभग 1 लाख 14 हजार 500 वर्ग किलोमीटर पर कब्जा कर रखा है। इसमें क्रीमिया, डोनेट्स्क, लुहांस्क, खेरसॉन, और जापोरिजिया जैसे क्षेत्र शामिल हैं। फरवरी 2022- रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के हमले का ऐलान करते ही यूक्रेन में रूसी टैंक धड़धड़ाते हुए घुसने लगे। तब के अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बोले- पुतिन से बातचीत का कोई प्लान नहीं है। उन्होंने पूरी दुनिया को खतरे में डाल दिया है। रूस को यूक्रेन पर हमले की गंभीर कीमत चुकानी होगी।

फरवरी 2025- अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पुतिन से फोन पर 90 मिनट तक बात की। इसके बाद सऊदी अरब में यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस और अमेरिकी के बीच हाई लेवल मीटिंग हुई। इसमें यूक्रेन को नहीं रखा गया। ट्रम्प ने पुतिन की तारीफ की और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को 'तानाशाह' कह दिया।

मई 2025- रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए शांति बातचीत 2025 में तेज हुई, खासकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की पहल के बाद। हाल के दिनों में कैदी अदला-बदली हुई है, लेकिन क्षेत्रीय नियंत्रण और सुरक्षा गारंटी पर मतभेद बने हुए हैं।

पूप-सूटकेस लेकर पहुंचे पुतिन के बॉडीगार्ड, इसमें पुतिन का मल-मूत्र इकट्ठा किया

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जब अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिले तो उनके बॉडीगार्ड एक खास सूटकेस लेकर पहुंचे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह सूटकेस पुतिन के मल-मूत्र को इकट्ठा करने के लिए था।

कहा जा रहा है कि पुतिन की टीम ऐसा इसलिए करती है ताकि कोई विदेशी एजेंसी उनके स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी न जुटा सके। फ्रांसीसी मैगजीन पेरिस मैच के मुताबिक, यह सुरक्षा प्रोटोकॉल नया नहीं है। 2017 में फ्रांस यात्रा और वियना दौरे के दौरान भी ऐसा किया गया था। हालांकि, क्रेमलिन ने हमेशा इन अफवाहों को खारिज किया है। पुतिन के स्वास्थ्य को लेकर पहले भी कई बार सवाल उठ चुके हैं। पिछले साल कजाकिस्तान में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उनके पैरों की हरकत और 2023 में बेलारूस के राष्ट्रपति लुकाशेंको से मुलाकात के वक्त कुर्सी पर झटके लेने जैसी हरकतों ने अटकलें बढ़ा दी थीं। किसी भी देश के नेता का स्वास्थ्य 'टॉप सीक्रेट' माना जाता है। अगर ये जानकारी बाहर आ जाए तो दुश्मन देश उसकी कमजोरियों का फायदा उठा सकते हैं। विदेशी एजेंसियां स्वास्थ्य रिपोर्ट लीक कर यह छवि बना सकती हैं कि राष्ट्रपति कमजोर या बीमार हैं। इससे घरेलू राजनीति और जनता का भरोसा डगमगा सकता है।यही वजह है कि पुतिन की सिक्योरिटी एजेंसी मल-मूत्र तक इकट्ठा करके रूस ले जाती है।

अमेजन अपने कर्मचारियों को टेक्नोलॉजी में अपस्किल कर रही

वाशिंगटन , एजेंसी। तकनीक की दुनिया में बड़ा सवाल है कि तेजी से बदलती टेक्नोलॉजी के दौर में रोबोट्स का भविष्य क्या होगा। इसी सवाल का जवाब तलाशने भास्कर पहुंचा टोक्यो, जहां अमेजन ने अपने सालाना इवेंट 'डिलिवरिंग द फ्यूचर' का आयोजन किया। टेक्नोलॉजी के लिए मशहूर जापान में हुए इस कार्यक्रम में अमेजन ने अपना 10 लाख वां रोबोट तैनात किया।

आज अमेजन के दुनियाभर के फुलफिलमेंट सेंटर्स में 10 लाख से अधिक रोबोट सक्रिय हैं, जो इसे दुनिया का सबसे बड़ा इंडस्ट्रियल रोबोट बेड़ा बनाते हैं। मोबाइल रोबोटिक्स के क्षेत्र में अमेजन दुनिया की सबसे बड़ी निर्माता और ऑपरेटर है। रोबोट्स का भविष्य कोलैबेरेटिव रोबोटिक्स में कंपनी के चीफ टेक्नॉलॉजिस्ट टाई ब्रैडी कहते हैं कि रोबोट्स का भविष्य कोलैब्रेटिव रोबोटिक्स में है, यानी ऐसे रोबोट्स जो इंसानों को रिप्लेस करने के बजाय उनकी क्षमताओं को बढ़ाएं और उन्हें सुरक्षित माहौल में काम करने में मदद करें। अमेजन ने भविष्य की नौकरियों और चुनौतियों के लिए खासकर एआई और रोबोटिक्स के क्षेत्र में 7 लाख से ज्यादा कर्मचारियों को ट्रेनिंग से अपस्किल किया है। अमेजन ने जनरेटिव एआई मॉडल डीप फ्लीट शुरू किया है। यह तकनीक फुलफिलमेंट सेंटर्स में रोबोट्स को कोऑर्डिनेट करेगा। इससे रोबोट्स के काम करने का समय 10त्न कम हो गया है।

आतंकी पन्नू ने वाशिंगटन में करवाया रेफरेंडम

वाशिंगटन , एजेंसी। खालिस्तानी समर्थक व सिख फॉर जस्टिस के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने अब अमेरिका के वाशिंगटन डीसी में रेफरेंडम करवाया है। पन्नू ने इस रेफरेंडम का वीडियो भी जारी किया है। जिसमें दावा कर रहा है कि वे हिंदुस्तान के टुकड़े करने के लिए बम तैयार कर रहा है। लेकिन इसके साथ ही एक तस्वीर भी सामने आई है, जिसमें एक पंडाल में खाली कुर्सियां नजर आ रही हैं।

पन्नू वीडियो में दावा कर रहा है- ये हिंदुस्तान में टुकड़े करने के लिए बम तैयार किए हैं। जितने भी बम बने हैं, वे अपने झंडे खड़े करें- जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल। हर एक बम में रेफरेंडम का बारूद है। हिंदुस्तान को तहस-नहस किया जाएगा। खालिस्तान जिंदाबाद। इसके साथ ही वॉशिंगटन डीसी में खालिस्तान समर्थक दिल्ली

बनेगा खालिस्तान और हरियाणा बनेगा खालिस्तान के भी नारे लगाते वीडियो में दिखे।

पन्नू की तरफ से जो वीडियो जारी की गई है, वे 1 मिनट 28 सेकेंड की है। जिस तरह की कोशिश वे भारत को नीचा दिखाने की वे कर रहा है, वे विफल होती दिख रही है। दरअसल, उसने इस वीडियो को बनाने के लिए फोकस कुछ लोगों तक ही सीमित रखा, ताकि वे रेफरेंडम के फेल होने की हकीकत को छिपा सके। पन्नू का दावा है कि वाशिंगटन डीसी में तकरीबन 16 हजार वोट डली है। लेकिन हकीकत इससे काफी परे है। दरअसल, जिस तरह का शोर पन्नू डाल रहा था, ना तो वाशिंगटन डीसी में भीड़ इकट्?ठी हुई और ना ही उतने लोग पहुंचे। पन्नू की तरफ से जो रेफरेंडम करवाया गया, उसका सच जाहिर करते हुए एक तस्वीर जनतक हो गई। सोशल मीडिया पर वायरल इस तस्वीर ने पन्नू का दावा पूरी तरह से खारिज कर दिया।

पाकिस्तान में बाढ़ से तबाही, पूरे के पूरे गांव बर्बाद; 1000 से ज्यादा लोगों की मौत की आशंका

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने बाढ़ ने तबाही मचा रखी है। बाढ़ की वजह से 1000 से ज्यादा लोगों की जान जाने की आशंका जताई जा रही है। प्रधानमंत्री के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) मामलों के सूचना समन्वयक इख्तियार वली खान ने हालात पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने दावा किया कि खैबर पख्तूनख्वा में हाल ही में आई अचानक आई बाढ़ में लगभग 1,000 लोगों की मौत होने की आशंका है।

वली ने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया है। बड़े पैमाने पर तबाही देखी है। उन्होंने कहा, पूरे गांव बर्बाद हो गए हैं। बुनेर के चघरजी इलाके में भारी तबाही हुई है। बशोनी गांव पूरी तरह से नक्शे से गायब हो गया है। बाढ़ के पानी में बहकर आए कुछ पत्थर ट्रकों से भी बड़े थे। नदी किनारे बसे घर गायब हैं। पूरे के पूरे परिवार बह गए हैं। किसी की कोई खोज खबर नहीं है।

आधिकारिक आंकड़े केवल अस्पतालों में लाए गए शवों पर आधारित: उन्होंने खुलासा किया कि आधिकारिक आंकड़े केवल अस्पतालों में लाए गए शवों पर आधारित हैं। अब तक लगभग 600 से ज्यादा शव

बरामद हुए हैं। हालांकि, कई और हताहतों की सूचना अभी तक नहीं मिली है। उन्होंने आंशका जताई कि अकेले दीर में ही मौतों की संख्या 1,000 से ज्यादा हो सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार एक हजार से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं। पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार, 26 जून से अब तक पूरे पाकिस्तान में बारिश से संबंधित घटनाओं में 392 पुरुषों सहित कम से कम 657 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 929 अन्य घायल हुए हैं। कुल मृतकों में 171 बच्चे और 94 महिलाएं थीं। घायलों में 437 पुरुष, 256 बच्चे और 236 महिलाएं हैं। एनडीएमए ने बताया कि मौतें मूसलाधार मानसूनी बारिश, अचानक आई बाढ़ और संबंधित आपदाओं के कारण हुईं। उसने यह भी कहा कि वह सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों को तेज करने के लिए प्रांतीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है। खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, जहां 390 लोगों की मौत हुई है, जिनमें 288 पुरुष, 59 बच्चे और 43 महिलाएं शामिल हैं। केपी में 245 लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें 161 पुरुष, 45 बच्चे और 39 महिलाएं शामिल हैं। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बाढ़ के कारण हुई दुखद मौतों पर गहरा दुख व्यक्त किया है। महासचिव ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और आपदा से प्रभावित सभी लोगों के साथ एकजुटता जताई। महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक की ओर से रविवार को जारी एक बयान में कहा गया, संयुक्त राष्ट्र की टीमें आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए सरकारों के साथ हैं।

गार्ड ऑफऑनर के साथ अंतिम विदाई

नक्सली IED ब्लास्ट में शहीद हुए बीजापुर के लाल दिनेश नाग, तीन जवान घायल

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने एक बार फिर कायराना हरकत को अंजाम दिया है। नेशनल पार्क क्षेत्र में डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिज़र्व गार्ड) की टीम पर नक्सलियों द्वारा बिछाए गए आईईडी (ढृश्वष्ठ) धमाके में बीजापुर के वीर जवान दिनेश नाग शहीद हो गए, जबकि तीन अन्य जवान घायल हुए हैं।

जानकारी के अनुसार, डीआरजी की टीम 17 अगस्त को माओवादी विरोधी अभियान पर निकली थी। 18 अगस्त की सुबह भोपालपट्टनम थाना क्षेत्र के चिल्लमरका जंगल में सर्चिंग के दौरान नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी विस्फोट हो गया। धमाका इतना भीषण था कि जवान दिनेश नाग मौके पर ही शहीद हो गए। तीन घायल जवानों का प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सभी घायल जवान अब खतरे से बाहर हैं। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि घायल जवानों में भरत धीवर, पैकू इंला और मुंगारू राम कवासी शामिल हैं। फिलहाल घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। उन्होंने जानकारी दी है कि बलिदान जवान दिनेश नाग बीजापुर के वार्ड क्रमांक 15 के रहने वाले थे। घटना के बाद इलाके में जवानों ने सर्चिंग अभियान तेज कर दिया है'। बीजापुर गूंजा 'अमर शहीद दिनेश नाग अमर रहें' के नारों से जवान की शहादत की खबर से पूरे जिले में शोक की लहर दौड़ गई। शहीद जवान का पार्थिव शरीर जब बीजापुर पहुंचा तो 'अमर शहीद दिनेश नाग अमर रहें' के नारों से गूंज उठा।

गार्ड ऑफऑनर के साथ अंतिम विदाई-शहीद जवान के पार्थिव देह को रक्षित केन्द्र बीजापुर स्थित शहीद वाटिका में गार्ड ऑफहॉनर दिया गया। श्रद्धांजलि सभा में क्षेत्रीय विधायक माननीय विक्रम मण्डावी, जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, नगरपालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी, उपाध्यक्ष भुवन चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष घासीराम नाग, पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुंदरराज पी., उप पुलिस महानिरीक्षक दंतेवाड़ा रेंज कमलोचन कश्यप, उप महानिरीक्षक केरिपु ऑप्स बीजापुर सेक्टर भूपेन्द्र सिंह नेगी, कलेक्टर संबित मिश्रा, कमांडेंट 15वीं वाहिनी सीआरपीएफ मयंक गुर्जर, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम्रता चौबे, अति. पुलिस अधीक्षक रविन्द्र कुमार मीणा, अति. पुलिस अधीक्षक अमन कुमार झा, अति. पुलिस अधीक्षक चन्द्रकांत गवर्ना, अति. पुलिस अधीक्षक ऑप्स युलैण्डन यार्क, उप पुलिस अधीक्षक घनश्याम कामड़े, डीआरजी उप पुलिस अधीक्षक विनीत साहू, उप पुलिस अधीक्षक आप्स सुदीप सरकार, शहीद के परिजन एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मातृभूमि की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान-शहीद दिनेश नाग की शहादत ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि नक्सलियों की हिंसक रणनीतियों के बावजूद देश के वीर सपूत मातृभूमि की रक्षा के लिए सदैव अडिग रहेंगे। दिनेश नाग अब केवल एक नाम नहीं, बल्कि साहस, समर्पण और शौर्य का प्रतीक बन चुके हैं। उनकी शहादत को हमेशा याद किया जाएगा।

दंतेवाड़ा में सातधार के पास बाइक भिड़ंत में 6 घायल यातायात पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने बचाई जान

किरंदुल। दंतेवाड़ा जिले के सातधार के पास सोमवार दोपहर 01 बजे दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में छह लोग घायल हो गए। इस हादसे में पालनार और बस्तानार के तीन-तीन लोग शामिल थे,जिनमें से चार की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें डिमरापाल मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।दंतेवाड़ा यातायात पुलिस की त्वरित और मानवीय कार्रवाई ने घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। घायलों में चार की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें तत्काल डिमरापाल मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जबकि दो अन्य घायलों का स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है।हादसे की सूचना मिलते ही दंतेवाड़ा यातायात पुलिस प्रभारी प्रहलाद कुमार साहू अपनी टीम के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे।उन्होंने बिना देरी किए अपने सरकारी वाहन से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इस त्वरित कार्रवाई ने घायलों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में मदद की, जो उनकी जान बचाने में महत्वपूर्ण साबित हुई। प्रहलाद साहू की इस मानवीय पहल ने पुलिस के प्रति लोगों का भरोसा और मजबूत किया है।

सरोना पंचायत ने नाली समस्या का किया समाधान

बरसात में पानी घुसने की समस्या से मिलेगी राहत

कांकेर। जिले के जनपद पंचायत नरहरपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत सरोना में लगातार हो रही बारिश के चलते कई घालों और घरों में पानी भरने की समस्या उत्पन्न हो गई थी। स्थिति को गंभीर देखते हुए सरपंच दीपिका वट्टी और पंचायत परिवार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नाली की समस्या का समाधान करने के लिए रपटा निर्माण कार्य शुरू करवाया। जानकारी के अनुसार भारी वर्षा के कारण गांव के कई हिस्सों में पानी नालियों से निकलकर घरों और सड़कों में प्रवेश कर रहा था, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही थी। इसी समस्या को देखते हुए पंचायत ने तत्काल निर्णय लेते हुए जेसीबी मशीन बुलाकर कार्य की शुरुआत की। इस कार्य के शुभारंभ के दौरान पंचायत प्रतिनिधियों की पूरी टीम मौजूद रही। सरपंच दीपिका वट्टी और उपसरपंच दिनेश सहारे के नेतृत्व में पंचगण यशवंत सुरोजिया, मुकेश रजक, तामेश कोर्राम, वेशबत्ती सहारे समेत कई ग्रामीणों ने उपस्थित होकर सहयोग प्रदान किया। ग्रामवासियों ने बताया कि पंचायत द्वारा समय रहते नाली और रपटा निर्माण कार्य शुरू कर दिए जाने से बरसात के दिनों में जलजमाव और घरों में पानी घुसने की समस्या से काफी हद तक राहत मिलेगी। ग्रामीणों ने सरपंच, उपसरपंच और पूरे पंचायत परिवार का आभार व्यक्त करते को गंभीरता से लेकर तत्काल समाधान की दिशा में कदम बढ़ाया, जो सराहनीय है।

तेज गति वाहन चालको के विरुद्ध यातायात पुलिस की सख्त कार्यवाही

कांकेर। उत्तर बस्तर कांकेर से पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आई. के. एलिसेला एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश सिन्हा के निर्देशानुसार, दीपक सॉव यातायात प्रभारी कांकेर एवं यातायात टीम के द्वारा जिले मे आये दिन बढ़ती हुई सड़क दुर्घटनाओ मे कमी लाने हेतु दिनांक 18/08/2025 को ऊपर नीचे रोड : गोविंदपुर एवं बाफना लान के पास चेकिंग पॉइंट लगाकर इंटरसेप्टर वाहन से विशेष अभियान चलाकर ओव्हर स्पीड से वाहन चालन करने वाले कुल 14 बस चालकों के विरुद्ध कार्यवाही * करते हुए समन शुल्क की राशि 28000/- रूपये वसूली गयी इसके साथ ही साथ भारत सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देश के परिपालन मे विशेष पहल करते हुए ॥स्त्रक्क नम्बर प्लेट संबंध मे यातायात शाखा कांकेर मे कैम्प लगाकर लोगों को जागरूक कर लगभग 40 लोगों का ॥स्त्रक्क नम्बर प्लेट हेतु रजिस्ट्रेशन किया गया इस प्रकार कार्यवाही निरंतर आगे भी जारी रहेगा।

सारा संसार शिव की अष्टमूर्तियों में व्याप्त है : डॉ. स्वामी इन्दुभवानन्द तीर्थ महाराज

रायपुर। शंकराचार्य आश्रम बोरिया कला रायपुर में चल रहे चातुर्मास व्रत अनुष्ठान प्रवचन माला में शिव कथा की व्याख्या करते हुए शंकराचार्य आश्रम के प्रभारी डॉक्टर स्वामी इन्दुभवानन्द तीर्थ महाराज ने बताया कि सारा संसार भगवान शिव की आठ मूर्तियों में ही व्याप्त है। भगवान शिव ही जल के रूप में जीवो का पालन पोषण करते हैं जल रूपी भगवान शिव का है भगवान शिव आकाश के रूप में जीवन प्रदान करते हैं। वायु के रूप में भी भगवान शिव विराजमान होते हैं और लोगों को जीवन दान करते हैं पृथ्वी के रूप में भी भगवान विराजमान होते हैं और सारे संसार को धारण करते हैं सूर्य और चंद्रमा के रूप में भगवान शिव विराजमान होकर के शीतलता एवं प्रकाश दोनों ही से संसार को प्रकाशित करते हैं पशुपति के रूप में भगवान शिव यजमान की रूप मूर्ति के में विराजमान होकर सृष्टि का पालन करते हैं ब्रह्मा जी सृष्टि के ज्ञान को प्राप्त करने के लिए भगवान शिव की अनंत वर्षों तक तपस्या करते हैं भगवान प्रसन्न होते हैं और ब्रह्मा को सृष्टि का ज्ञान करने के लिए अर्धनारीश्वर के रूप में उनके सामने प्रकट हो जाते भगवान ब्रह्मा दर्शन करके शिवजी की स्तुति करने लगते हैं और शिवजी अपने ही स्वरूप को विभक्त कर देते हैं पार्वती को अलग कर देते हैं और स्वयं अलग हो जाते हैं इस प्रकार से ब्रह्मा जी को सृष्टि करने का सूत्र देकर के अंतर निहित हो जाते है।

एनएमडीसी बचेली ने स्थानीय किसानों की आय वृद्धि हेतु उपलब्ध करवाए नि:शुल्क फलदार पौधे

बचेली। पिछले कुछ वर्षों से एनएमडीसी, बचेली अपने सीएसआर विभाग द्वारा स्थानीय किसानों की आय वृद्धि हेतु अनेक योजनाएं चलाती आ रही है। इस वर्ष की योजना में अभी तक एनएमडीसी, बचेली द्वारा 09 गावों के 126 किसानों को फलदायक पौधे उपलब्ध करवाए गए हैं, जिसमें नारियल, आम, लीची इत्यादि पौधे शामिल हैं।इस योजना के तहत इस वर्ष 5000 से अधिक फलदार पौधे उपलब्ध करवाए गए हैं, इस योजना से नेरली, बड़े कमेली, बेनपाल, गंजेनार, दुगेली, पाड़ापुर, धुरली, बड़े बचेली तथा मोलसनार ग्रामों के किसान लाभान्वित हुए हैं।इस योजना के अंतर्गत दिनांक 18 अगस्त सोमवार बचेली परियोजना प्रमुख श्रीधर कोडाली मुख्य महाप्रबंधक के द्वारा प्रभावित परियोजना के आस पास के ग्रामीण कृषकों को फलदार पौधे वितरित किए गए।इस अवसर पर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) महेश एस नायर,उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) सीएसआर जोसी थामस व विभिन्न ग्रामीण कृषकों की उपस्थिति रही।

05 वर्ष से गुमशुदा महिला की खोजबीन कर किया गया उसे सकुशल उसके परिवार के सुपुर्द

कोरबा। मानसिक रूप से कमजोर महिला का इलाज हो रहा था सेवा आश्रम कोरबा में, जहां उसके होने की जानकारी मिली परिजनों को पुलिस पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के दिशा निर्देश पर मानसिक रुप से कमजोर महिला रंभा यादव उम्र 40 साल निवासी ग्राम सोनाडीह पुलिस चौकी करहीबाजार जो पिछले 05 वर्ष से अपने घर से कही चली गई थी उसकी खोजबीन कर सकुशल उसे उसके परिवार के सुपुर्द किया गया है। 05 वर्ष पूर्व मानसिक रूप से कमजोर महिला रंभा यादव अपने घर से कहीं चली गई थी, जिसकी गुमशुदगी रिपोर्ट चौकी करहीबाजार में दर्ज कराई गई थी। इस दौरान चौकी करहीबाजार पुलिस एवं उनके परिजनों द्वारा महिला की भी लगातार खोजबीन की जा रही थी। इसी बीच खोजबीन कार्यवाही के दौरान सूचना मिली कि दिनांक 13.08.2025

जिला प्रशासन की टीम द्वारा समझाइस देकर रोका गया बाल विवाह

कोण्डागांव। जिले के ग्राम पंचायत चिखलपुट्टी थाना कोण्डागांव से बाल विवाह की गुप्त सूचना प्राप्त होते ही मिशन वात्सल्य महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग एवं चाईल्ड लाईन की संयुक्त टीम द्वारा रविवार को कलेक्टर श्रीमती नुपूर राशि पन्ना के निर्देशानुसार जिला कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन में बाल विवाह रोकने की कार्यवाही की गई। जिला बाल संरक्षण अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत चिखलपुट्टी में नाबालिग बालिका यशोदा (परिवर्तित नाम) पिता दिनेश (परिवर्तित नाम) उम्र 16 वर्ष निवासी चिखलपुट्टी का विवाह बालक योगेश (परिवर्तित नाम) पिता रामेश्वर (परिवर्तित नाम) उम्र 19 वर्ष निवासी- ग्राम पंचायत लंजोड़ा थाना फरसगांव के साथ किया जाना था। सूचना मिलने पर जिला स्तरीय गठित संयुक्त टीम द्वारा बालिका के घर पहुंचकर बालक एवं बालिका के दस्तावेज अंकसूची का अवलोकन किया गया, जिसमें बालक का जन्मतिथि 23.09.2006 एवं बालिका की जन्मतिथि 07.02.2009 अंकित है। भारतीय कानून एवं शासन के नियमानुसार बालक एवं बालिका की आयु विवाह हेतु निर्धारित आयु से कम पायी गई। बालिका के माता-पिता नही है वह दादा-दादी के साथ निवासरत है। दोनों पक्षों के उपस्थित सदस्यों को विभागीय अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, दण्ड के प्रावधान, बाल विवाह के दुष्परिणाम से अवगत कराते हुए विवाह न करने की समझाईश दी गई। समझाईस पश्चात परिवार के सदस्य निर्धारित आयु पूरी होने पर विवाह किये जाने हेतु सहमत हुए। जांच दल द्वारा परिजनों, ग्रामीणों, बुजुर्गों एवं प्रशासन के समक्ष पंचनामा तैयार किया गया। दल द्वारा वर-वधु व दोनों पक्ष को समझाईश देकर बाल विवाह को रोका गया।बाल बिवाह रोकने की कार्यवाही किए जाने के दौरान जिला बाल संरक्षण अधिकारी नरेन्द्र सोनी, परियोजना अधिकारी संजय पोटावी, संरक्षण अधिकारी गैर संस्थागत जयदीप नाथ, विधिक सह परिवीक्षा अधिकारी सौरभ तिवारी, सहायक उप निरीक्षक सुकेन्द्र कश्यप, प्रधान आरक्षक मिथलेश रजक व श्रीमती सोना मरकाम, सुपरवाइजर चाईल्ड लाईन अनिल कुमार नायक, रविकांत गौर एवं समाज एवं ग्राम प्रमुख उपस्थित रहे।

नगर परिवार की आस्था श्रद्धा का प्रमुख देव स्थल श्री राघव मंदिर प्रांगण किरंदुल में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का भव्य आयोजन

किरन्दुल। नगर परिवार की सुख शांति समृद्धि एवं मंगलकामनाएं हेतु नगर के भक्तजनों का आस्था श्रद्धा का प्रमुख देव स्थल श्री राघव मंदिर परिसर एवं प्रांगण में बैलाडीला देव स्थान समिति और गायत्री परिवार किरंदुल के संयुक्त तत्वावधान में भगवान श्री कृष्ण जन्माष्टमी के सुअवसर पर पूर्व वर्षो की भांति इस वर्ष भी मंदिर प्रांगण में भक्तो का ताँता लगा रहा तथा रविवार विशेष पूजा अर्चना एवं देव दर्शन के लिए श्रद्धालु आते रहें। इस अवसर पर नगर के नन्हे मुन्हें बच्चो के मध्य भगवान श्री कृष्ण जी एवं राधा रानी जी के वेश भूषा प्रस्तुति का बहुत सुंदर आयोजन हुआ।भगवान के बालरूप वेशभूषा प्रस्तुती में सम्मिलित बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु उन्हें समिति की ओर से मंदिर परिसर में ही आयोजकों के द्वारा पुरष्कृत किया गया।

मंडी रोड में लक्ष्मी साहू ने किया ध्वजारोहण

बलौदा बाजार। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पीड़ित व्यापारी संघ के अध्यक्ष लक्ष्मी साहू के द्वारा ध्वजारोहण किया गया इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नंद कुमार साहू गुरु दत्त तिवारी अमन तिवारी तिलक फेकर शेख कमाल मानस श्रीवास एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पीएम आवास हितग्राहियों को दूसरी व तीसरी किस्त नहीं दे पा रही भाजपा सरकार : विनोद

पायनियर संवाददाता ◂ महासमुंद
www.dailypioneer.com

पूर्व संसदीय सचिव छ.ग. शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की साय सरकार पीएम आवास हितग्राहियों को आवास की दूसरी किश्त नहीं दे पा रही है। वहीं, पहले से जिनके पक्के मकान है उन्हें आवास हितग्राही बनाकर भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में 18 लाख आवास स्वीकृत करने का श्रेय लेने वाली भाजपा की सरकार हितग्राहियों को पहली किस्त देकर 5-6 माह बाद भी दूसरी व तीसरी किस्त देना भूल गयी है। प्रदेश के हजारों हितग्राहियों को पहली किस्त मिलने के बाद दूसरी किस्त नहीं दिया जा रहा। कई हितग्राही कर्ज लेकर मकान का निर्माण शुरू किये हैं। उन्हें उम्मीद है कि दूसरी किस्त जल्द आएगी और वे काम आगे बढ़ाएंगे। पहली किस्त मिलने के बाद लाभार्थियों ने काम शुरू कर दिया था। दूसरी किस्त में देरी से न केवल उनके सपनों का मकान अधूरा रह गया है बल्कि, आर्थिक संकट भी गहरा गया है। गरीब हितग्राहियों की परेशानी से सरकार अनजान बने बैठा है। जबकि, 10-15 हजार रु. लेकर पक्के मकान मालिकों को पुनः आवास हितग्राही बनाया जा रहा है। इससे पात्र हितग्राही तो वंचित होंगे ही साथ ही अपात्र व्यक्ति अधिकारी-कर्मचारी को भेंट चढ़ाकर अनुचित लाभ ले रहे हैं। पूर्व संसदीय सचिव ने कहा कि पूर्ववर्ती भूपेश सरकार ने प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनते ही प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत छह लाख 99 हजार 439 आवासों की मंजूरी दी थी। साथ ही सामाजिक, आर्थिक एवं जातिगत जनगणना वर्ष-2011 की सर्वे सूची में शामिल होने से वंचित ऐसे परिवार जो आवासहीन थे, उन्हें राज्य सरकार ने अपने मद से आवास उपलब्ध कराया था। वर्ष 2023 में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जुलाई महीने में विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान आवासहीन लोगों के लिए ग्रामीण आवास न्याय योजना की घोषणा की थी। इस योजना के नीति निर्धारण एवं क्रियान्वयन के संबंध में मंत्रिपरिषद की बैठक में निर्णय लिया था।

भगवान विश्वेश्वर महादेव मंदिर में रामायण पाठ और मटका फोड़ कार्यक्रम

कांकेर। छत्तीसगढ़ - श्री विश्वेश्वर नाथ मंदिर सेवा समिति के द्वारा झूनिया पारा कांकेर में भगवान विश्वेश्वर महादेव मंदिर में रामायण का पाठ किया गया। इस अवसर पर मातृ शक्तियों ने संगीतमय वातावरण में रामायण पाठ किया। कार्यक्रम के अंत में राधा कृष्ण को सजाकर मटका फोड़ कार्यक्रम हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में रजनी राजपूत, शारदा श्रीवास्तव, कुंती कौशिक, पिंकी कोमरे, बद्रीका नेताम, संध्या विश्वास, गणेशी पटेल, कुंती तिवारी, पपिया दत्ता, देववती, सरस्वती यादव, अशोक कुमार राजपूत आदि ने सक्रिय भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया।कृष्ण जिज्ञान्स श्रीवास्तव और राधा सुधा गोस्वामी ने राधा कृष्ण के रूप में सजकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। समिति के सदस्यों और उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान विश्वेश्वर महादेव की पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद प्राप्त किया।

एसकेएमएस किरन्दुल द्वारा 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर फ्रीडम रेस का किया गया आयोजन

किरन्दुल। संयुक्त खदान मजदूर संघ एसकेएमएस किरंदुल द्वारा गतवर्ष की भांति इस वर्ष भी शुक्रवार शाम 05:30 बजे महिलाओ एवं पुरुषों के लिए अलग अलग फ्रीडम रेस का आयोजन किया गया। 16 वर्ष उम्र के ऊपर सभी पुरुष व महिला जो उक्त फ्रीडम रेस में भाग लिए। फुटबॉल ग्राउंड से एनएमडीसी अधिशासी निदेशक रवींद्र नारायण हरी झंडी दिखाकर दौड़ का शुभारंभ किया और प्रतिभागियों द्वारा पूरे किरन्दुल नगर का राउंड लगाकर वापस ग्राउंड पहुंचें जहां रेस का समापन हुआ। इस फ्रीडम रेस के पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान भिलाई के आशुतोष ने अर्जित किया तथा द्वितीय फूलधर नेताम एवम तृतीय सुकुराम कश्यप रहें।वहीं महिला वर्ग में प्रथम रुक्मणी साहू, द्वितीय प्रमिला मंडावी तथा तृतीय स्थान पर कुमले पोयाम रहीं।प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को प्रथम पुरस्कार स्वरूप 15 हज़ार रु,द्वितीय पुरस्कार 10 हज़ार रु तृतीय पुरस्कार 7500 रु प्रदान किया गया।

गुलहड़ का फूल बना देगा आपको खूबसूरत..

गुड़हल का फूल जिसके बारे में आपने प्राइमरी स्कूल की किताबों में पढ़ा था। यह सिर्फ देखने में ही सुंदर नहीं होता बल्कि यह सेहत और सुंदरता का खजाना लिए हुए होता है। इसे हिबिसकस या जवाकुसुम भी कहते हैं। इसके सभी हिस्सों का इस्तेमाल खाने, पीने या दवाओं के काम के लिए किया जा सकता है। यूनानी दवाओं में गुड़हल का बहुत उपयोग होता है और इससे कॉलेस्ट्रॉल, मधुमेह, रक्तचाप, गुर्दे की बीमारियों और गले के संक्रमण जैसे रोगों का इलाज किया जाता है।

इस दौड़ती-भागती ज़िंदगी और असंतुलित खानपान व लाइफस्टाइल की वजह से बालों के झड़ने की समस्या बिल्कुल आम है. महिला हो या पुरुष, आजकल सभी को इस परेशानी से दो-चार होना ही पड़ रहा है. पुरुषों में यह समस्या आनुवांशकीय कारण से भी होती है, लेकिन महिलाओं की इस परेशानी में आनुवांशकीय कारणों की कोई भूमिका नहीं होती है. यह परेशानी उन्हें पोषक तत्वों की कमी, हार्मोनल उतार-चढ़ाव या किसी बीमारी की वजह से होती है. बालों को झड़ने से रोकने के लिए उपर्युक्त बातों का ध्यान रखना बहुत ज़रूरी है.

यह विटामिन सी, कैल्शियम, वसा, फाइबर, आवरन, नाइट्रोजन, फासफोरस, टेटरिक और ऑक्सीलिक एसिड, फ्लेवोनॉयड्स और फ्लेवोनॉयड ग्लाइकोसाइड्स का बढ़िया स्रोत है।

गुड़हल को हर्बल चाय, कॉकटेल या काढ़े के तौर पर लिया जा सकता है। फूलों को सुखाकर इसकी हर्बल चाय बनाई जा सकती है। पानी उबलने पर सूखे फूल डाल दीजिए और थोड़ी चीनी मिलाकर चाय तैयार हो जाएगी। कॉकटेल के लिए इसे ठंडा होने दें और बर्फ के साथ पिएं। यह सेहत के लिए गुणकारी चाय है।

गुड़हल का फूल विटामिन सी का बढ़िया स्रोत है और इससे कफ, गले की खराश, जुकाम और सीने की जकड़न में फायदा मिलता है।

गुड़हल की पत्तियां प्राकृतिक हेयर कंडीशनर का काम देती हैं और इससे बालों की मोटाई बढ़ती है। बाल समय से पहले सफेद नहीं होते। बालों का झड़ना भी बंद होता है। सिर की त्वचा की अनेक कमियां इससे दूर होती है। इसकी पत्ती से बनी दवा से प्रसव संबंधी विकार, फोड़े-फुंसियाँ, और सूजन के उपचार में भी मदद मिलती है। गुड़हल का सत्व त्वचा में निखार और दमक लाता है। गुड़हल के फूल का सत्व दिल की मजबूती के लिए उपयोगी है। यह जीवन शैली से जुड़ी समस्याओं जैसे कॉलेस्ट्रॉल, रक्तचाप और मधुमेह की बीमारी में लाभ पहुँचाता है जो हृदय रोगों का कारण बनते हैं।

गुड़हल फूल में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट कॉलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखते हैं।

यूनानी दवाओं में गुड़हल काढ़े या चाय के तौर पर दिया जाता है। इसमें चीनी नहीं मिलाई जाती और इससे शरीर में ग्लकोज का संतुलित स्तर बनाए रखने में मदद मिलती है।

गुड़हल का इस्तेमाल यूनानी दवाओं में उत्तेजक के तौर पर किया जाता है। हर्बल चाय या कॉकटेल के तौर पर लेने से यह दिल और दिमाग को ठंडक देता है। गुर्दे या मूत्रनली में विकार से ग्रस्त लोग गुड़हल की चाय को बिना चीनी मिलाए पी सकते हैं और इससे काफी लाभ मिलता है। गुड़हल के फूल का सत्व दिल की मजबूती के लिए उपयोगी है। यह जीवन शैली से जुड़ी समस्याओं जैसे कॉलेस्ट्रॉल, रक्तचाप और मधुमेह की बीमारी में लाभ पहुंचाता है जो हृदय रोगों का कारण बनते हैं।

स्कार्फ को अलग-अलग आउटफिट्स के साथ कैसे करें स्टाइल?

स्टोल्स और साड़ी का कॉम्बो

हम स्टोल को साड़ी के साथ भी टाई अप करके पहन सकते हैं. स्टोल और साड़ी का कॉम्बो आपको काफी क्लासी व एलिगेंट लुक देगा. आप किसी पार्टी या खास फंक्शन के लिए यह लुक आजमा सकती हैं. आप स्टोल्स को किसी भी तरह की साड़ी के साथ पहन सकती हैं. बस इतना ध्यान रखें कि आपका स्टोल ज्यादा हैवी न हो और स्टोल चुनते समय यह भी ध्यान रखें की वह आपकी साड़ी से मैच करता हो. आप चाहें तो कश्मीरी कारीगरी किया हुआ या फिर पश्मीना वर्क किया हुआ स्टोल चुन सकती हैं, क्योंकि साड़ी के साथ इस तरह के स्टोल स्टाइलिश दिखते हैं. स्टोल को आप सिम्प्ली कंधे पर रखें, इसे ओढ़ें बिल्कुल भी नहीं. ओढ़ने से आपका लुक पूरी तरह से खराब हो सकता है. जिस साइड आपका पल्लू हो उसकी दूसरी साइड स्टोल को रखें. हेयर स्टाइल की बात करें तो, आप अपने बालों को बांधकर एक नीट और क्लीन बन बना लें.

ऑफिस लुक

यदि आप ऑफिस में वुलन स्टोल कैरी करना चाहती हैं तो यहां बताए जा रहे टिप्स आपके काम आएंगे. स्टोल को आप ब्लैक पैंट्स, व ब्लू कलर की शर्ट के साथ मैच अप कर सकती हैं. ध्यान रखें कि स्टोल आपका ज्यादा ब्राइट और हैवी वर्क किया हुआ न हो. ऑफिस में आप हैवी वर्क किया हुआ आउटफिट अवॉइड ही करें तो ज्यादा बेहतर होगा. ऑफिस लुक को आप जितने हो सके सिम्पल और सूदिंग ही रखें.

पार्टी या फंक्शन लुक

स्टोल को आप ड्रेस के साथ भी पहन सकती हैं. यह लुक भी पार्टी या किसी खास फंक्शन के लिए एक दम परफेक्ट है. इस लुक के लिए आपको ज्यादा कुछ खास मेहनत करने की जरूरत बिल्कुल नहीं है. बस आप अपनी ड्रेस को सैंडल की जगह बूट्स के साथ पेअर करें. यदि आपकी ड्रेस ब्लैक कलर की है तो आप इसके साथ पोल्का डॉट स्टोल पेअर कर सकती हैं. हेयर स्टाइल में आप हाई पोनी बनाकर अपने लुक को पूरा कर सकती हैं.

लम्बे वुलन स्टोल

यदि आपके पास लम्बे वूलन स्टोल हैं तो आप उसे जीन्स, व टॉप के साथ पेअर कर सकती हैं. यदि आपके पास ब्लैक और ब्राउन कलर के स्टोल हैं तो ग्रे जींस, वाइट टॉप और लाइट ब्राउन ट्रेंच कोट के साथ पेअर कर सकती हैं. इसके साथ आप मीडियम हाई बूट्स पहनकर अपना लुक पूरा करें.

फ्लोरल प्रिंट स्टोल

आप फ्लोरल प्रिंट स्टोल को सूट के साथ भी पहन सकती हैं. फ्लोरल स्टोल को आप लॉन्ग कुरता और लेगिंग, जीन्स या लॉन्ग स्कर्ट के साथ पेअर कर पहन सकती हैं. स्टोल को आप अपनी दुपट्टे की जगह इस्तेमाल कर सकती हैं.

शॉल बनाम स्टोल

हम शॉल को भी काफी स्टाइलिश तरीके से कैरी कर सकते है. यह सिर्फ उम्रदराज़ महिलाओं का ही पहनावा नहीं है. यदि आप इसको स्टाइलिश तरीक़े से कैरी करें तो बोरिंग शॉल भी फैशनेबल वियर हो सकती है. इसके लिए शॉल को आप ड्रेप करके भी पहन सकती हैं. आप शॉल को हाई लॉन्ग बूट्स और नेक कवर स्वेटर के साथ पहन सकती हैं. या इसको आप बेल्ट के साथ भी टाई अप करके पहन सकती हैं.

बालों को झड़ने से बचाएंगे ये आयुर्वेदिक नुस्खे...

आंवला

6 रसों से युक्त आंवला को आयुर्वेद की दिव्य औषधि के रूप में जाना जाता है. इसमें पाए जाने वाले विटामिन्स मिनरल्स और एल्कलॉइड बालों के लिए इसे एक शानदार टॉनिक बनाते हैं. बालों को स्वस्थ रखने के लिए हमें आंवला और उससे बने खाद्य पदार्थों को अपने आहार में शामिल करना चाहिए. सुबह-शाम आंवला चूर्ण भी खाया जा सकता है.

ब्राह्मी

आयुर्वेदिक हर्ब ब्राह्मी, बालों की रक्षा करने और बालों के विकास में सहायक होती है. यह बालों की जड़ों को पोषण प्रदान कर उन्हें मज़बूत बनाती है. ब्राह्मी की पत्तियों को सुखाकर इसका पाउडर बनाया जाता है, जिसे आप गर्म पानी में मिलाकर पी सकते हैं. ब्राह्मी तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं, यह तनाव से होने वाले हेयर फ़ॉल को रोकने में बहुत कारगर होती है.

एलोवेरा

एलोवेरा के ताज़े पल्प में एक एन्जाइम होता है, जिसे सिर की त्वचा पर लगाने से मृत कोशिकाएं समाप्त होकर नई कोशिकाएं विकसित होती हैं. इसके अलावा एलोवेरा को जूस के रूप में लेने या साबूत खाने से भी रूसी की समस्या ख़त्म होती है, बालों का झड़ना रुक जाता है और नए बालों आने में मदद मिलती है.

अश्वगंधा

अश्वगंधा में टायरोसिन नामक आवश्यक एमिनो एसिड पाया जाता है, जो बालों के स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक होता है. यह बालों को समय से पहले सफ़ेद होने से रोकता है और बालों की वृद्धि में सहायक होता है.

बरगद की जटा

जो औषधि जिस आकार की दिखती है, मूलतः वह उस जैसे अंग को लाभ पहुंचाती है. बरगद की जटा बालों के लिए एक शानदार दवाई है, जो हमारी जटाओं अर्थात बालों को स्वस्थ रखने में मदद करती है. वट जटा का पाउडर बना कर उसका सेवन कर सकते हैं.

अमरबेल

बरगद की जटाओं की ही तरह अमरबेल भी ऐसी ही एक जड़ी-बूटी है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी अपने विकास के लिए जानी जाती है. अमरबेल का तेल व उससे बना काढ़ा बालों की ग्रोथ के लिए लाभदायक होता है.

मेकअप में प्राइमर की क्यों ज़रूरत होती है?

यह पोर्स यानी त्वचा के रोमछिद्रों को छुपाता है

अगर आपकी त्वचा ऑयली है, आपने ध्यान दिया होगा कि कैसे आपके पोर्स फ़ाउंडेशन लगाने के बाद और भी ज्यादा दिखने लगते हैं. यह तब और भी बुरा हो जाता है, जब आप ख़ुद को चेहरे को सूरज की रौशनी में देखती हैं. प्राइमर की सबसे अच्छी बात यह है कि यह पोर्स को काफी हद तक छुपा देता है. जब भी आपको कहीं बाहर जाना हो या शाम की किसी पार्टी में जाना हो, तब एक प्राइमर आपको बेदाग़ खूबसूरती और दमकती त्वचा देने में मदद कर सकता है.

यह मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखता है

मेकअप का नेगेटिव पहलू क्या है? वह पिघलने लगता है, स्किन के ऑयलीनेस की मेहरबानी से. हम कह सकते हैं आपके शानदार मेकअप और त्वचा के ऑयलीनेस में पैदाइशी दुश्मनी है. पर आप जानती हैं, प्राइमर एक ऐसा प्रॉडक्ट है, जो आपके मेकअप को भद्दा दिखने और आपको शर्मसार होने से बचा सकता है. क्लेंज़िंग-टोनिंग-मॉइस्चराइज़िंग रूटीन के खत्म होते ही अपनी त्वचा को एक-दो मिनट तक मॉइस्चराइज़र को एब्ज़ॉर्ब करने का समय दें. ऐसा करने से न केवल आपकी त्वचा की नमी बरक़रार रहेगी, बल्कि वह नर्म और मुलायम भी बनेगी. उसके बाद प्राइमर का रुख़ करें. अपने हाथ के पीछे की तरफ़ मटर के दाने जितना प्राइमर निकालें.

यह मैट लुक पाने में आपकी मदद करता है

ऑयली त्वचा आपके चेहरे को ग्रीसी और चमकीला बना देती है. ज़ाहिर है आप इस तरह का ग्लो तो नहीं पाना चाहेंगी. पर आप चिंता न करें, आपकी ऑयली स्किन की सभी समस्याओं का एक ही समाधान है-प्राइमर. ऑयल कंट्रोल करने के लिए जेल बेस्ड प्राइमर लगाएं. इसमें ऑयल एब्ज़ॉर्ब करने का गुण होता है. मॉइस्चराइज़िंग के बाद चेहरे पर इसे लगाने से यह त्वचा की नैचुरल ऑयल को कंट्रोल करता है. ऐसा वह पोर्स को भरकर करता है. यह फाउंडेशन और आपकी त्वचा के बीच एक दीवार का काम करता है. इस तरह यह ऑयली स्किन के चलते आपको होनेवाली दूसरी समस्याओं, जैसे-ऐक्ने और ब्रेकआउट्स को भी दूर रखता है. तो अब बेफ़िक्र होकर तैयार होइए. आपके मेकअप के मेल्ट होने की समस्या को प्राइमर संभाल लेगा.

गोरी से लेकर सांवली रंगत के लिए कैसे चुनें ब्लश?

हर लड़की गुलाबी गाल चाहती है. और यह गुलाबी गाल आपको मिलता है ब्लश की मदद से. ब्लश आपके गालों को ग्लो देते हैं और आपको परियों-सा खूबसूरत लुक. ब्लश लगाने के बाद आपका चेहरा खिला-खिला और नैचुरली गुलाबी नज़र आना चाहिए. जिसके लिए बहुत ज़रूरी है कि आप अपनी रंगत के अनुसार सही ब्लश चुनें. यदि आप अपनी स्किन टोन के मुताबिक़, ब्लश नहीं चुनती, तो यह आपके चेहरे को बेजान और भद्दा लुक दे सकता है. इसलिए हम आपको यहां आपकी रंगत के मुताबिक़, ब्लश चुनने में आपकी मदद कर रहे हैं. अपनी स्किन टोन को समझें और फिर ब्लश ख़रीदें, ताकि आपकी दमक पूरी तरह से नैचुरल लगे.

गोरी रंगत

गोरी रंगत वाली महिलाओं को हमेशा हल्के शेड वाला ब्लश चुनना चाहिए. वाइब्रेंट कलर्स आपके चेहरे को बनावटी दिखा सकते हैं. सौम्य गुलाबी, पीच के शेड्स आपको ख़ूबसूरत लुक देंगे. यहां तक हल्का कोरल शेड भी आपकी रंगत पर जंचेगा.

सांवली रंगत

वैसे तो गोरी रंगत की ही तरह सांवली रंगत पर भी हल्के शेड्स जंचेंगे, लेकिन नैचुरल लुक पाने के लिए थोड़े तीव्र रंग चुनें. गुलाबी के तीव्र शेड्स के साथ प्रयोग करें. आपके गालों को उभारने के लिए मोव अंडरटोन्स वाला ब्लश चुनें.

गहरी रंगत

यदि आपकी रंगत गहरी है, तो आप आप रेड, ऑरेंज, प्लम या ब्राउन जैसे शेड्स चुन सकती हैं. वाइब्रेंट शेड्स गहरी रंगत पर ज़्यादा जंचते हैं. आपके ब्लश में हल्का-सा शिमर हो, तो आपका लुक और भी ग्लैमरस लगेगा.

क्या आपको भी मेडिटेशन करते वक्त आती है नींद ?

मेडिटेशन आज के वक्त में लोगों की जरूरत बन गया है। तनाव को कम करना, अच्छी नींद, दिमाग को शांत रखना, स्थिरता को बनाए रखना, मानसिक शांति के लिए लोग मेडिटेशन करना पसंद करते हैं। शुरुआत में कई लोग मेडिटेशन में विश्वास नहीं रखते हैं लेकिन कुछ महीने बाद परिणाम मिलने पर उसे फॉलो करने की सलाह दी जाती है। लेकिन कई बार लोग मेडिटेशन करते वक्त सो जाते हैं,ऐसा एक बार सभी के साथ होता है। लेकिन इस क्रिया से कैसे बचें, नींद और मेडिटेशन में कैसे अंतर करें और नींद आने के कारण होते हैं।

मेडिटेशन करते वक्त नींद के प्रमुख कारण

-थकान रहना
-नींद की कमी या नींद पूरी नहीं होना
-रूम में मेडिटेशन करना
-मेडिटेशन से पहले हैवी नाश्ता करना या भोजन कर लेना
-तनाव रहना

नींद को कैसे भगाएं

- खाना या बहुत अधिक नाश्ता नहीं करें।
-दिनभर खूब पानी पीएं।
-खुले आसमां के नीचे मेडिटेशन करें।
-अधिक नींद आने पर एक जगह ध्यान केंद्रित कर आंखे खोलकर मेडिटेशन करें।
-भरपूर नींद लें और बॉडी को आराम दें।
-अलार्म लगाकर मेडिटेशन करें।
-स्लो म्यूजिक चलने दें।

बढ़े हुए वजन को घटाने के लिए आजमाएं ये घरेलू नुस्खे

ऑफिस में घंटों एक ही जगह पर बैठे-बैठे काम करते रहने के कारण हमें कई सारी बीमारियां घेर लेती है। इन्हीं में से एक है मोटापा। हमारा वजन कई कारणों से बढ़ता है। एक ही जगह पर बैठे रहना, शारीरिक गतिविधियों में शामिल न होना और कुछ भी उल्टा-सीधा खाते रहना जैसी कई आदतें हैं, जो हमारा वजन बढ़ाती हैं। यहां हम आपको आपके बढ़े हुए वजन को कम करने के कुछ घरेलू उपाय बताएंगे...

गर्म पानी

यह शक्ति में गर्म होता है और फैट टिशू में गहराई से प्रवेश करता है और फैट को जल्दी से पिघलाने में मदद करता है। इसके साथ ही ये मेटाबॉलिज्म में भी सुधार करता है।

दालचीनी

दालचीनी एक ऐसा नेचुरल मसाला है, जो पाचन में सुधार करता है। ये शुगर लेवल को कम करने के साथ-साथ, कोलेस्ट्रॉल कम करता है और फैट जलता है। सुबह के समय में खाली पेट 1 चम्मच शहद के साथ लेना सबसे बेहतर रहता है।

नींबू

नींबू सबसे प्रसिद्ध प्राकृतिक वजन घटाने का उपाय है जो वास्तव में काम करता है। लेकिन जोड़ों के दर्द और हाइपर एसिडिटी वाले लोगों को इसके सेवन से बचना चाहिए। दूसरों के लिए, खाली पेट गर्म पानी के साथ एक नींबू वजन घटाने में बहुत मददगार है।

कैसा हो आपका ब्रेकफास्ट और जानें, तीन सेहतमंद ब्रेकफास्ट विकल्प

दिन का पहला मील सेहत से भरपूर और ऊर्जा देनेवाला होना चाहिए. अच्छा नाश्ता न केवल आपके शरीर, बल्कि आपके दिमाग़ को भी चुस्त-दुरुस्त रखता है. नाश्ता मोटापा कम करने, ब्लड प्रेशर व शुगर लेवल को नियंत्रित करने, दिल से जुड़ी बीमारियों की संभावना को घटाने में मदद करता है. हम जानते हैं कि सुबह-सुबह की भाग-दौड़ में आप अक्सर अपना नाश्ता भूल जाते हैं. इसलिए ज़रूरी है कि आप अपने नाश्ते को पहले से ही प्लैन करें, ताकि आप इसे किसी भी सूरत में मिस न करें. अपनी पसंद के अनुसार, फलों, हरी सब्ज़ियों, नट्स, ओट्स, पोहा, उपमा, कॉर्न फ़्लेक्स, अंडे इत्यादि ढेरों विकल्प में से आप अपने लिए ब्रेकफ़ास्ट ऑप्शन चुन सकते हैं, जो आपको दिनभर ऊर्जावान बनाए रखे. सप्ताह में एक दिन बैठकर पूरे सप्ताह के ब्रेकफ़ास्ट का मेन्यू बना लें. उन्हें बनाने के लिए ज़रूरी सामान बाज़ार से ले आएं. यदि आपको ऑफ़िस के लिए देरी होती है, तो अपना नाश्ता टिफ़िन में भरकर ले जाएं और सफ़र के दौरान खाएं. रात में ही सुबह के नाश्ते के लिए थोड़ी-बहुत तैयारी कर लें. न्यूट्रिशनिस्ट्स की मानें, तो दिन के पहले मील यानी ब्रेकफ़ास्ट में कार्ब्स और प्रोटीन्स होने चाहिए.

वेजेटेबल सांभार और चटनी के साथ इडली

इडली में मौजूद चावल से हमें कार्ब्स मिलता है, वहीं दाल से प्रोटीन. दूसरी ओर सांभार में भी दाल होता है, जिससे सुबह-सुबह हमें प्रोटीन की अच्छी मात्रा मिल जाती है. सांभार में पड़नेवाले मसाले हमें कई विटामिन्स और मिनरल्स मिलता है. चटनी में नारियल होता है, जो हमें आवश्यक फैट देता है.

पनीर मटर पराठा और दही

गेहूं के पराठा से हमें दिनभर का 60% कार्ब्स मिल जाता है. वहीं पनीर, मटर से प्रोटीन. घी से मिलनेवाला फैट और विटामिन हमारे शरीर को पोषण देता है. सुबह-सुबह का यह नाश्ता आपको लंबे समय तक पेट भरे होने का एहसास भी देगा.

भुना हुआ पालक, पोच्ड अंडा और किसी भी स्प्रेड के साथ ब्राउन ब्रेड टोस्ट

आजकल यह नाश्ता बहुत ट्रेंड में है. यदि आपके पास वक़्त न हो, तो आप भी अंडा, कोई हरी सब्ज़ी और ब्राउन ब्रेड नाश्ते में ले सकते हैं. टोस्ट से हमें कार्ब्स मिलता है, वहीं अंडा प्रोटीन देता है. टोस्ट पर लगा बादाम, मूंगफली का स्प्रेड हमें प्रोटीन और ज़रूरी फैट देता है. पालक मिनरल्स और विटामिन का समृद्ध स्रोत है.

आज की रेसिपी

आमंड उपमा हैश ब्राउन

सामग्री :

1 कप बादाम का आटा, 1/4 कप सूजी, 1/2 टेबल स्पून घी, 3-4 करी पत्ते, 1/2 टी स्पून सरसों के दाने, 1/2 टी स्पून उड़द दाल, 2 टी स्पून अदरक, टुकड़ों में कटा हुआ, 2 टी स्पून हरा धनिया, टुकड़ों में कटा हुआ, 1/2 कप प्याज, टुकड़ों में कटा हुआ, 1 टी स्पून हरी मिर्च, टुकड़ों में कटा हुआ, 4 टेबल स्पून बादाम कटा हुआ, रोस्टेड 1 टेबल स्पून ताजा नारियल, स्वादानुसार नमक, 200 ml (मिली.) पानी, देसी घी/ जैतून का तेल ग्रिल करने के लिए

विधि

- एक पैन में घी गरम करें. राई डालें और उन्हें फूटने दें.
- उड़द की दाल, करी पत्ते, नारियल, कटा हुआ अदरक, लहसुन, हरी मिर्च और प्याज डालें. सुनहरा होने तक भूनें. सूजी डालकर 1.2 मिनट तक सूखा भून लें.
- अब बादाम पाउडर डालें और हल्का पीला होने तक भूनें.
- पानी डालें और उसमें नमक डालें. दलिया जैसी स्थिरता प्राप्त होने तक पकाएं. आंच से उतार लें और 1 टेबलस्पून कटे हुए बादाम और कटा हरा धनिया डालें.
- इसे घी लगी ट्रे में फैलाएं| बचे हुए बादाम छिड़कें और ठंडा होने दें- मनचाहे आकार में काट लें-
- उन्हें एक नॉन-स्टिक तवे पर देसी घी जैतून के तेल के साथ धीमी आंच पर हल्का सुनहरा रंग और हैश ब्राउन की तरह fdzLih होने तक ग्रिल करें-

भोरमदेव अभ्यारण में राजकीय वृक्षों की कटाई और अतिक्रमण

संरक्षण पर सवाल, जिम्मेदारों की चुप्पी

कवर्धा। छत्तीसगढ़ का भोरमदेव अभ्यारण, जिसे 'कान्हा की उपजाऊ धरती' कहा जाता है और जो राज्य की समृद्ध वन-संपदा व जैव विविधता का प्रतीक है, गंभीर संकट से गुजर रहा है। राजकीय वृक्ष सराई की अवैध कटाई, जंगलों पर अतिक्रमण और खेती-बाड़ी की गतिविधियों ने अभ्यारण की अस्मिता पर ही प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है। हैरानी की बात यह है कि इन सबके बीच वर्षों से तैनात वन अमला चुप्पी साधे हुए है।

हजारों सराई वृक्ष बने कटाई का शिकार

नंदनी टोलाङ्ककुमान के घने जंगलों में कभी हजारों की संख्या में राजकीय सराई वृक्ष खड़े थे, लेकिन अब वहाँ ठूंठों का जंगल नजर आता है। स्थानीय ग्रामीण बताते हैं कि पेड़ों को पहले गाडलिन (गला कर सुखाना) की प्रक्रिया से नष्ट किया गया और फिर खेती योग्य भूमि में बदल दिया गया। अनुमान है कि एक हजार से अधिक सराई वृक्ष इस अवैध गतिविधि में उजाड़ दिए गए। दो वर्ष पूर्व इस मामले में 09 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी, मगर वह मामला न्यायालय में लंबित है। इस बीच कटाई और खेती की गतिविधियां बेरोकटोक जारी रहीं।

अभ्यारण क्षेत्र में खुलेआम खेती

शीतलपानी के समीप दादूटोला-लरिया जंगल में तो हालात और भी गंभीर हैं। यहां संरक्षित वन क्षेत्र के बीच झोपड़ी डालकर खेती की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार इसी वर्ष दो लोगों के खिलाफ कार्रवाई भी की गई, मगर खेती की जमीन अब भी उसी रूप में बनी हुई है। बड़ा सवाल यह है कि जब जंगल में बाहरी लोगों की गतिविधियां इतनी स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं, तो फिर विभागीय अधिकारी इन्हें देखने में असफल क्यों हो जाते हैं।

वन अमले पर उठे सवाल

चिल्फी परिक्षेत्र में वर्षों से एक ही स्थान पर पदस्थ वन अमले पर ग्रामीणों ने मिलीभगत के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पेड़ों और वन्य जीवों की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाने के बजाय अधिकारी व कर्मचारी संबंध निभाने में व्यस्त रहते हैं। यही कारण है कि जहां हजारों वृक्षों की बलि दी गई, वहीं खेती और अतिक्रमण जैसी गतिविधियां भी बखूबी फल-फूल रही हैं।

जैव विविधता पर खतरा

भोरमदेव अभ्यारण केवल जंगल ही नहीं, बल्कि औषधीय गुणों से परिपूर्ण पौधों, दुर्लभ वन्य जीवों और पारिस्थिति की तंत्र का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां की हरियाली कबीरधाम जिले की जीवनदायिनी कही जाती है। लेकिन लगातार हो रही अवैध कटाई और अतिक्रमण से न केवल पेड़-पौधों का अस्तित्व खतरे में है, बल्कि वन्य जीवों का प्राकृतिक आवास भी प्रभावित हो रहा है।

जिम्मेदारों की चुप्पी

सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि आखिर वन विभाग की भूमिका पर प्रश्न क्यों न उठे? जब ठूंठों के जंगल, खुलेआम बनी झोपड़ियां और खेत किसी भी राहगीर को दिख जाते हैं, तो वन विभाग की आंखों से ये सब कैसे ओझल हो जाता है।

क्या यह महज लापरवाही है या फिर विभागीय मिलीभगत का मामला

भोरमदेव अभ्यारण की साख और पहचान को बचाना अब बड़ी चुनौती है। यदि तत्काल स्तर पर कठोर कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में यह क्षेत्र अपनी जैव विविधता खो देगा। राजकीय वृक्ष सराई की सामूहिक कटाई और जंगल पर लगातार बढ़ता अतिक्रमण अब केवल स्थानीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय बन गया है।

आकाशगंगा सुपेला सब्जी मंडी का मामला

सब्जी व्यापारियों को नोटिस देकर निगम ने की खानापूर्ति

भिलाई। नगर पालिका निगम भिलाई को आकाशगंगा सुपेला सब्जी मंडी में कुछ दुकानदारों द्वारा अपनी दुकानों के सामने अतिरिक्त निर्माण टीन शेड के माध्यम से कर लिए जाने की जानकारी प्राप्त हुई थी साथ ही कुछ दुकानदारों द्वारा यहां वर्षों से नगर निगम का संपत्ति कर भी जमा नहीं किया गया है इन सब को लेकर नगर निगम के जोन एक के राजस्व अधिकारियों की टीम द्वारा सब्जी मंडी का सर्वे किया गया था सर्वे के दौरान निगम अधिकारियों को तमाम खामियां मिली थी जिस पर निगम अधिकारियों द्वारा सब्जी मंडी के कुछ दुकानदारों को नोटिस दिया गया था नोटिस दिए कई दिन बीत चुके हैं लेकिन नगर निगम द्वारा अब तक सुपेला सब्जी मंडी में किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की गई है सब्जी मंडी में जगह-जगह टीन शेड के माध्यम से अतिरिक्त निर्माण देखने को मिलता है। जिसकी वजह से यहां खरीदारी करने आए लोगों को काफी परेशान होना पड़ता है और पूरी मंडी में जाम की स्थिति बने रहती है। सब्जी मंडी के क्षेत्र में अवैध रूप से दुकान का निर्माण किए जाने की जानकारी भी निगम को मिली थी जिस पर भी किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की गई। बहरहाल आकाशगंगा शुक्ला सब्जी मंडी में समस्याओं का अंबार है आवारा मवेशी यहां के दुकानदारों और खरीददारों के लिए सर दर्द बने हुए हैं देखना होगा नगर निगम यहां कब तक और क्या कार्रवाई करता है।

जलेबी, चम्मच, कुर्सी दौड, मटकी फोड एवं रंगोली प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने दिखाया दमखम

बेमेतरा। पुलिस आवासीय कॉलोनी परिसर में 16 अगस्त 2025 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू के निर्देशन पर अति. पुलिस अधीक्षक ज्योति सिंह, डीएसपी राजेश कुमार झा, रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो की उपस्थिति में स्वतंत्रता दिवस एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान जलेबी, चम्मच, कुर्सी दौड, मटकी फोड एवं रंगोली प्रतियोगिता में रक्षित केन्द्र व पुलिस कॉलोनी के महिलाएं एवं बच्चे बड़ी संख्या में बढचढ कर हिस्सा लिया।पुलिस कॉलोनी के महिलाएं एवं बालक/ बालिकाओं द्वारा प्रत्येक खेलो में उत्साहपूर्वक भाग लिया गया और अपनी-अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया। इस खेल प्रतियोगिता का प्रमुख उद्देश्य बालक/ बालिकाओं एवं महिलाओं में आत्मविश्वास को सुदृढ़ करना एवं बालक/ बालिकाओं के छिपे हुए प्रतिभा को दुनिया के सामने उजार करना है। इस हेतु बालक/ बालिकाओं को खेल के माध्यम से अधिक से अधिक सामने लाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि बालक / बालिकाएं भी हर क्षेत्र में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले सकें और समाज तथा देश में अपना अलग पहचान बना सके। खेल और अधिक रोचक बनाने एवं बालक/ बालिकाओं व महिलाओं के उत्सहा को बढ़ाने के लिए प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेता प्रतिभागी के लिए पुरूस्कार वितरण किया गया। जलेबी दौड में बालक/बालिका क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय -पूर्वी बंजारे, वरिका जांगडे, नायरा, अयांश घृतलहरे, विधि मिश्रा, मिदान मिरि, मटकी फोड में महिलाएं क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय नेहा मिश्रा, स्मृति राजपूत, रूपांजली साहू, कुर्सी दौड में महिलाएं क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय -नेहा मिश्रा, पूजा साहू, रोहणी साहू, कुर्सी दौड बालिका मानसी ठाकुर, तनिषा गीतोडे, प्रीति मण्डावी, रंगोली प्रतियोगिता में क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय -प्रज्ञा साहू, नेहा मिश्रा, स्मृति राजपूत, मिनाक्षी, वंदना, रूपांजली, चम्मच दौड में क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय - बालक/बालिका कवि मण्डावी, अंशिका जांगडे, नायरा पाटिल, अलीना लहरे, मोनाली वर्मा, पारूल, तनिषा घितोडे,, आरना, अदिति, भौमिक जांगडे, जैविन खलखो, पियांश विश्वकर्मा, शौर्य भारती, आरव श्रीवास, हर्षित वर्मा, अक्षांश तिवारी, विनय निर्मलकर, गौरव घितोडे, देवाशिश दिवाकर, आयुश कश्यप, धर्यवर्मा को अति. पुलिस अधीक्षक ज्योति सिंह, डीएसपी (मुख्यालय) राजेश कुमार झा, रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो के द्वारा सभी विजेता खिलाडियों को पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया गया।

हल्बा समाज ने नि:शुल्क कोचिंग हेतु ली प्रवेश परीक्षा

उतई। अखिल भारतीय हल्बा हल्बी आदिवासी समाज छत्तीसगढ़ केन्द्रीय महासभा मुख्यालय बालोद द्वारा शिक्षा कल्याण कोष के माध्यम से समाज के शिक्षित बेरोजगार युवाओ के रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा जैसे छत्तीसगढ़ लोक सेवा परीक्षा, व्यापम , बैंकिंग, रेलवे, कर्मचारी चयन आयोग आदि के लिए निः शुल्क कोचिंग कि व्यवस्था किया है द्य छत्तीसगढ़ केन्द्रीय महासभा बालोद के बैनर तले मुख्य कोचिंग प्रभारी महेन्द्र कुमार रात्रे उप प्रबंधक भिलाई इस्पात सयंत्र के प्रबंधन में भिलाई के राजन कोचिंग प्रायवेट लिमिटेड में समाज के शिक्षित बेरोजगार युवाओ के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु कोचिंग प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें 36 गढ़ केन्द्रीय महासभा बालोद परिक्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले दुर्ग जिले, राजनांदगाँव जिले, बालोद जिले, मोहला-मानपुर जिले आदि से समाज के शिक्षित बेरोजगार युवा बड़ी संख्या में प्रवेश परीक्षा देने के लिए उपस्थित हुए। प्रवेश परीक्षा में सफल होने वाले बच्चों को अखिल भारतीय हल्बा हल्बी आदिवासी समाज 36गढ केन्द्रीय महासभा बालोद की ओर से निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था किया गया हैं । प्रवेश परीक्षा में सबसे उच्च अंक(80 प्रतिशत या उपर) प्राप्त करने वाले दो प्रतिभागी को पाथ आई ए एस अकादमी रायपुर में कोचिंग हेतु समाज की ओर आर्थिक खर्च वहन किया जायेगा शेष सफल बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु राजन कोचिंग प्रायवेट लिमिटेड में प्रवेश दिया जायेगा जिनका खर्च 36 गढ़ केन्द्रीय महासभा बालोद द्वारा वहन किया जायेगा। प्रवेश परीक्षा पश्चात कार्यक्रम मंथिर खलेन्द्र अध्यक्ष सामाजिक ब्लॉक एवं छ ग हल्बा आदिवासी समाज भिलाई दुर्ग के अध्यक्षता में संपन्न हुआ द्य इस अवसर पर लता उर्वशा महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष 36 गढ़ केंद्रीय महासभा, भूआर्य,पूरेन्द भूआर्य महाप्रबंधक, सचिव मदन करभाल, महेंद्र कुमार रात्रे (मुख्य कोचिंग प्रभारी),गणेश कांगे महासचिव छ. ग.हल्बा आदिवासी भिलाई दुर्ग,कोचिंग सह प्रभारी विजय कृपाल, शंकर ठाकुर, पल्लवी भूआर्य,जिला महिला अध्यक्ष सुमिता माहला, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष चन्द्रिका रावत, सर्कील अध्यक्ष रमेश मल्होत्रा,सयतु तारम, श्री राम लारेन्द्र,एवं समाज के गणमान्य सदस्य और परीक्षा में शामिल बच्चों के अभिभावक उपस्थित रहे।

स्वच्छता ही सेवा समिति ने एनएसपीसीएल में चलाया अभियान, पौधारोपण कर स्वच्छता के लिए लोगों को किया जागरूक

भिलाई। भिलाई। स्वच्छता ही सेवा समिति द्वारा विगत 385 सप्ताह से दुर्ग जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है स्वच्छता अभियान चलाए जाने के साथ समिति सदस्यों द्वारा विभिन्न स्थानों में पौधा रोपण किया जा रहा है इसके साथ ही स्वच्छता बनाए रखने को लेकर लोगों से अपील भी की जा रही है समिति के इस कार्य में महिलाएं भी बड़ी संख्या में शामिल है।समिति द्वारा अभियान के 386 वे सप्ताह मे एनएसपीसीएल कॉलोनी तालपुरी में स्वच्छता अभियान चलाकर बृहद रूप से पौधारोपण किया गया और पौधा रोपण कर उसके पेड़ बनते तक लोगों से पौधों की देखभाल करने की अपील की गई गौरतलब है कि समिति सदस्यों द्वारा विभिन्न तालाबों में साफ सफाई कार्य को भी अंजाम दिया जाता है तालाबों में फैली कचरा और गंदगी को निकालकर उसे निर्धारित स्थान में फेंका जाता है इसी तरह समिति सदस्य अन्य संगठनों सामाजिक संस्थाओं के बुलावे पर भी विभिन्न स्थानों में पहुंचकर स्वच्छता को लेकर अपनी सेवाएं निशुल्क प्रदान करते हैं। स्वच्छता ही सेवा समिति के सदस्यों को कई पुरस्कार भी प्राप्त हो चुके हैं। समिति पदाधिकारीयों ने इस कार्य को निरंतर जारी रखे जाने की बातें कहीं हैं अब स्वच्छता अभियान की टीम में अन्य लोग भी जुड़ने लगे हैं जो स्वच्छता को लेकर निस्वार्थ रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। समिति के अध्यक्ष प्रेमचंद साहू ने बताया कि स्वच्छता बनाए रखना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। जिसे लेकर लोगों को अपनी जागरूकता का परिचय दिए जाने की जरूरत है उन्होंने कहा कि समिति के अभियान को देखते हुए अब स्वच्छता को लेकर लोगों में भी धीरे-धीरे जागरूकता देखने को मिल रही है।

नव कौशल पथ नई राह नया हुनर प्रवेश उत्सव आईटीआई बेमेतरा में आयोजित

बेमेतरा । स्वर्गीय चंदूलाल चंद्राकर शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बेमेतरा में नव कौशल पथ नई राह नया हुनर प्रवेश उत्सव बड़े उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रोजगार अधिकारी चिन्मय चौधरी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने नव प्रवेशित विद्यार्थियों को औद्योगिक प्रशिक्षण (आईटीआई) से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान कीं तथा आईटीआई के उपरांत रोजगार व आत्मनिर्भरता के अवसरों पर विस्तृत प्रकाश डाला। कार्यक्रम में आईटीआई बेमेतरा के पूर्व प्रशिक्षणार्थी भी सम्मिलित हुए, जिन्होंने विद्यार्थियों को अपने अनुभव साझा करते हुए रोजगार उन्मुख अवसरों एवं कौशल विकास की दिशा में मार्गदर्शन दिया। संस्थान के सभी प्रशिक्षण अधिकारियों ने अपने-अपने विषय से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की और विद्यार्थियों को न केवल तकनीकी शिक्षा बल्कि व्यक्तित्व विकास की ओर भी प्रेरित किया।

तादुला जलाशय से पानी छोड़ने को लेकर आशीष छाबड़ा ने लिखा कलेक्टर को पत्र

बेमेतरा बेमेतरा जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर उनसे बेमेतरा जिले के बेरला विकासखंड में तांदुला जलाशय से नहर के माध्यम से पानी छोड़ने की मांग की है ज्ञात होगी बेमेतरा जिला अल्प वृष्टि को झेल रहा है साथ ही साथ बेमेतरा जिले में बिजली की कमी समय पर समय बिजली गुल की समस्या तथा बेमेतरा जिले में ट्रांसफार्मर एवं अन्य विद्युत साज सामान की कमी के चलते किसानों को मिलने वाली बिजली में कमी को देखते हुए जिले के उसे हिस्से में जहां जलाशय से पानी प्राप्त हो सकता है कम से कम ऐसे स्थान में अति शीघ्र पानी छोड़ने की मांग करते हुए जिला कलेक्टर को लिखा है उनसे तांदुला जलाशय से पानी छोड़ने हेतु पहल करने की बात आशीष छाबड़ा ने की है ज्ञात हो कि पहले भी पानी की कमी होने पर तांदुला जलाशय से पानी छोड़ा जाता रहा है किंतु अब तक पानी नहीं छोड़ने से बेरला विकासखंड क्षेत्र में फसल चौपट होने के कगार पर आ चुकी है किसान परेशान है खेतों में दरारें पड़ गई है खड़ी फसल सूख रही है और ऐसे में पानी की कमी किसानों का जीना दुभर कर दिया है और भाजपा के जन् प्रतिनिधिगण अपने वसूली अभियानों में लगे हुए हैं किसानों ने की समस्या को देखते हुए पूर्व विधायक ने यह कदम उठाया है इस पत्र में पूर्व विधायक ने जलाशय से पानी नहीं छोड़े जाने की स्थिति में आंदोलन करने की बात भी कही है।

मां कर्मा मंदिर एवं साहू सदन में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

दल्लीराजहरा। तहसील साहू संघ राजहरा ने मां कर्मा मंदिर एवं साहू सदन में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष तोरण लाल साहू थे, विशेष अतिथि न. पा.उपाध्यक्ष मनोज दुबे, अध्यक्षता तहसील साहू संघ अध्यक्ष युवराज साहू, विशेष अतिथि सलाकार लैलन कुमार साहू, पार्षद विरेंद्र साहू, पूर्व सैनिक शंकर साहू थे। युवराज ने स्वागत भाषण तथा तोरण लाल साहू ने कहा हम सब अंग्रेजो के गुलाम थे। 15 अगस्त 1947 को हमारा देश स्वतंत्र हुआ है आजादी दिलाने वाले हमारे वीर शहीद है, उनको मै प्रणाम करता हूँ देश की एकता और अखंडता को बनाये रखना हम सबका दायित्व है। नगर में समाज में जो भी कमी है उसे हर संभव दूर किया जायेगा। मंच संचालन रेखू राम साहू आभार व्यक्त शीतल साहू,आयोजन में गोविन्द राम साहू, रूप लाल साहू, राधा साहू, द्रौपती साहू, संगीता साहू, दामिनी साहू, पूर्णिमा साहू, खूब लाल साहू, छन्नू साहू, राजकुमार साहू, पूरूषोत्तम साहू, विजय साहू, निर्मल दास, विमला साहू, अजीत साहू, गायत्री साहू,लिलेश्वरी साहू, निर्मला साहू, भुमिका साहू, श्यामदास, संतोष, रेखा साहू, किशन साहू, तनुजा साहू, देवमन, ओम् साहू, उषा साहू, माया साहू, हेमलता, ललिता, मनोहर, पुनऊ राम राजकिशोर साहू सहित समाज के लोग उपस्थित थे।

प्रेमिका को फ्यूल टैंक में बैठाकर कर रहा था रोमांस, कोतवाली पुलिस ने प्रेमी युवक को किया गिरफ्तार

भिलाई । भिलाई मे एक चलती बाइक पर कपल के रोमांस का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है इस वीडियो में एक युवती बाइक की पेट्रोल टंकी पर बैठी हुई नजर आ रही है और लड़के को गले लगाए सड़को पर घूमती दिखाई दे रही है दरअसल दुर्ग के रजिस्ट्रेशन की बाइक नम्बर CG 07 CO 7820 की एक हाई स्पीड ब्लैक कलर की बाइक में एक लड़का लड़की रोमांस कर रहे थे इस वीडियो में साफदेखा जा सकता है कि लड़का और लड़की एक बाइक में फिल्मी अंदाज में रोमांस कर रहे हैं लड़की का चेहरा लड़के के कारण छिपा हुआ था ये कपल पेट्रोल की टँकी पर बैठकर टाउनशिप की सड़को पर रोमांस करते नजर आए दोनो कपल दुर्ग से भिलाई की ओर जा रहे थे हैरानी की की बात ये है कि दुर्ग से भिलाई के बीच कई चौक चौराहे पड़ते है और त्योहारी सीजन होने के कारण हर चौराहे पर ट्रैफ्फिक पुलिस

चलानी कार्यवाही करते हुए खड़े रहती है लेकिन अब बड़ा सवाल यही है की फिल्मी अंदाज में लड़के और लड़की खुलेआम ट्रैफ्फिक नियमों की धज्जियां उड़ाते दिख रहे हैं। बावजूद इसकी भनक तक पुलिस को नहीं लगी किसी ने इसका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया जिसके बाद पुलिस को आशिक और उसकी माशूका की इस करतूत की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सेक्टर 6 निवासी आशिक मनीष को गिरफ्तार किया है और उसके खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है।

अपनी मांगों को लेकर मितानिनों ने किया कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन, कहा, काम के अनुपात में नहीं मिलता पैसा

भिलाई। दुर्ग जिले की मितानिनों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर ज्ञापन सोपा। मितानिनों का कहना है कि सरकार बनने के पूर्व भारतीय जनता पार्टी द्वारा मितानिनों के हित को लेकर अनेक बातें कही गई थी जो आज तक पूरी नहीं हो सकी है उनसे काम ज्यादा करा कर पैसा कम दिया जाता है। अपनी मांगों को लेकर मितानीनो ने पूर्व में शासन प्रशासन के अधिकारियों को ज्ञापन के माध्यम से सूचित किया जा चुका है।लेकिन अब तक उनकी मांगे पूरी पूरी नहीं हो सकी है जिसकी वजह से उन्हें हड़ताल करने विवश होना पड़ रहा है मितानिनों ने कहा कि यदि उनकी मांगे अब पूरी नहीं की जाती तो उनके द्वारा प्रदर्शन का विस्तार किया जाएगा मंगलवार को हुए प्रदर्शन में सैकड़ो की संख्या में विभिन्न क्षेत्रों से आए मितानिने शामिल हुई।

तिरंगे के अपमान मामले में हुई एफआईआर, प्रेस क्लब डोंगरगांव ने कराई शिकायत दर्ज

राष्ट्र गौरव अपमान निवारण एक्ट के तहत एफआईआर

डोंगरगांव नगर। नगर में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर देश की शान तिरंगे के अपमान का मामला उजागर हुआ है। केंद्र शासन के अधीन डाक विभाग अंतर्गत उपडाकघर डोंगरगांव में तिरंगे को पोस्ट ऑफिस के निकट जीर्णशीर्ण टेलीफोन के पोल में फहराया गया है। तिरंगा से जुड़े मामले में प्रेस क्लब डोंगरगांव द्वारा उपडाकघर के जिम्मेदारों के खिलाफ पुलिस में लिखित शिकायत पर पुलिस ने राष्ट्र गौरव अपमान निवारण अधिनियम 1971 धारा 2 के तहत एफआईआर दर्ज किया है। दरअसल स्वतंत्रता दिवस की 79वीं वर्षगाँठ पर नगर में आजादी का जश्न मनाया जा रहा था। इसी दरम्यान लगभग 11 बजे प्रेस क्लब डोंगरगांव के अध्यक्ष उपडाकघर मार्ग से अपने गंतव्य को जा रहे थे। उन्होंने तिरंगे को अपमानजनक स्थिति में देखकर प्रेस क्लब के अन्य पत्रकारों को सूचना दी। देश की शान से जुड़े मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रेस क्लब के सभी पत्रकार तत्काल ही उपडाकघर पहुँच गए थे। उपडाकघर के सामने से गुजरे टेलीफोन विस्तारीकरण के पोल में तिरंगे को झुके हालत में देखकर सभी सन्न रह गए। तब पत्रकारों को देखकर समीप के प्रतिष्ठानों के संचालक भी आ गए। तब पत्रकारों द्वारा एसडीएम, तहसीलदार व टीआई को सूचना दी गई। इस दौरान मार्ग से गुजर रहे सत्तापक्ष के कुछ नुमाइंदों ने भी तिरंगे झंडे की स्थिति देखकर आपत्ति जाहिर की। हालांकि पत्रकारों की सूचना पर आनन फानन में पहुंचे तहसीलदार नाग व एसआई मनहर सहित पुलिस अमले ने तिरंगे की अपमानजनक स्थिति पर निराशा व्यक्त करते हुए पंचनामा उपरांत तिरंगे झंडे को ससम्मान उतारा। इस दरमयान आसपास के लोगों ने पत्रकारों को उपडाकघर से जुड़े जिम्मेदार लोगों द्वारा ही झंडारोहण करने एवं जमकर फोटो खींचाने की जानकारी दी। तदुपश्चात तिरंगे के अपमान से उद्वेलित प्रेस क्लब के पत्रकारों ने इस वाकये को राष्ट्रीय ध्वज संहिता के प्रावधान के विपरीत तिरंगे का अपमान करार देते हुए पुलिस थाना पहुँचकर तिरंगे का अपमान करने वाले उपडाकघर के खिलाफ लिखित शिकायत करते हुए जिम्मेदारों के खिलाफ एफआईआर की मांग की।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com